

पहला कॉलम

लोहगढ़ किले में कारोबारी केतन की हत्या की पहले से थी साजिश

पुणे। पुणे के कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में पुलिस की 5,053 पलों की आरोपपत्र में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस के अनुसार, केतन की हत्या अचानक उठायी गया कदम नहीं थी, बल्कि इसकी पहले से साजिश रची गई थी। आरोपियों ने हत्या के लिए स्थान का चयन करने से लेकर केतन को वहां बुलाने और जांच से बचने तक की योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने शुरुआत में केतन को गंभीर रूप से घायल करने की योजना बनाई थी। इसके लिए महाराष्ट्र से बाहर रहने वाले कुछ लोगों से संपर्क भी किया गया था। हालांकि, बाद में आरोपियों को आशंका हुई कि बाहरी व्यक्ति साजिश का खुलासा कर सकता है या उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके बाद यह योजना रद्द कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस दौरान संपर्क किए गए लोगों में से एक बाद में मामले में गवाह बन गया। इसके बाद आरोपियों ने खुद केतन की हत्या करने का फैसला किया। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने हत्या से संबंधित फिल्मों और इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री के जरिए तरीके तलाशे।

माओवादी कमांडर बृजेश गंझू पुलिस मुठभेड़ में ढेर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रविवार सुबह पुलिस और सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली। रामनगर थाना क्षेत्र के टेंगरा मोड़ के पास हुई पुलिस मुठभेड़ में झारखंड के प्रतिबंधित संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेट्री (टीपीसी) के प्रमुख और 30 लाख रुपये के इनामी माओवादी कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया गया। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी गतिविधियों के लिए वांछित कमांडर की गोलीबारी में एटीएस के उपाधीक्षक विपिन राय भी घायल हुए हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, बृजेश गंझू झारखंड के चतरा जिले के लावालांग थाना क्षेत्र के लुतू गांव का रहने वाला था। उसकी आपराधिक एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को देखते हुए उस पर 30 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। झारखंड सरकार ने उस पर 25 लाख रुपये और राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने निभिन्न मामलों में वांछित होने के कारण पांच लाख रुपये का अतिरिक्त इनाम घोषित किया था।

गुरुग्राम में अडानी रियल्टी मैनेजर हत्याकांड में ठगी के मामलों का खुलासा

गुरुग्राम। अडानी रियल्टी के 31 वर्षीय प्रबंधक युवराज सिंह मनचंदा की हत्या की जांच आगे बढ़ने के साथ ही मामले में आरोपियों से जुड़े कथित ठगी के कई मामलों का खुलासा हो रहा है। पुलिस को जांच के दौरान एक व्हाट्सएप संदेश मिला है, जिसमें कथित तौर पर लिखा गया था, “अपनी पत्नी को बेच दो या कुछ भी करो, लेकिन यह पैसा चुका दो।” इस संदेश के सामने आने के बाद आरोपी अन्या वत्स और उसके साथी संयम सचदेवा से जुड़े कथित आर्थिक धोखाधड़ी के मामलों की भी जांच तेज हो गई है।

दशहरे से पहले कारोबारियों को बड़ा गिफ्ट बिना टैक्स दिए न्यूजीलैंड में बिकेंगे भारतीय माल..ट्रेड डील फाइनल.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर से लागू हो जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यह जानकारी दी। बता दें कि दोनों देशों ने 27 अप्रैल को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसका मकसद दोनों देशों के बीच सामान और सेवाओं का व्यापार बढ़ाना तथा निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत भारत से न्यूजीलैंड जाने वाले 100 प्रतिशत सामान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। अभी न्यूजीलैंड सिरेमिक, कालीन, गाड़ियों और उनके पुर्जों जैसे कई भारतीय सामानों पर 10 प्रतिशत तक शुल्क लगाता है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 साल में भारत में 20 अरब डॉलर निवेश करने का वादा भी किया है। वहीं, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को कहा कि समझौता अंतिम रूप ले चुका है। सितंबर में संसद की मंजूरी के बाद यह अक्टूबर में लागू होगा। मंत्री मोडिया एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि करीब तीन साल पहले उन्होंने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी चुनी गई तो पहले कार्यकाल में ही भारत के साथ मुक्त



व्यापार समझौता करेगी। आज वह समझौता पूरा हो गया है और अगले महीने लागू होगा। लक्सन ने आगे कहा कि इससे निर्यातकों को ज्यादा अवसर मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा तथा न्यूजीलैंड में अधिक नौकरियां और आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के 1.4 अरब उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा और न्यूजीलैंड के ज्यादा उत्पाद भारत में बिक सकेंगे। न्यूजीलैंड की संसद ने 16 सितंबर को इस समझौते को मंजूरी दी। सांसदों ने 93 के मुकाबले 29 वोट से कानून पारित किया। सत्ताधारी नेशनल पार्टी और

मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी दोनों ने समर्थन दिया, जिससे स्पष्ट बहुमत मिला। मंजूरी का स्वागत था कि भारत के साथ ऐसा समझौता संभव नहीं है, लेकिन अब वह हो रहा है। इससे भारत के बड़े बाजार तक पहुंच बढ़ेगी और न्यूजीलैंड की आर्थिक वृद्धि को सहारा मिलेगा। समझौते के तहत न्यूजीलैंड सभी टैरिफलाइनों को कवर करते हुए भारत के 100 प्रतिशत निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। इससे भारत के श्रम प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर बनेंगे।

भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए वीजा सुविधा...

यह समझौता भारतीयों की आवाजाही के नए रास्ते भी खोलता है। एक अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा व्यवस्था के तहत 5,000 कुशल भारतीयों को कोटा मिलेगा। वे तीन साल तक न्यूजीलैंड में रह और काम कर सकेंगे। इसमें आयुष चिकित्सक, योग शिक्षक, भारतीय शेफ और संगीत शिक्षक शामिल हैं। आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और निर्माण क्षेत्र के पेशेवर भी इसमें आते हैं। वर्किंग होलिडे वीजा व्यवस्था के तहत हर साल 1000 युवा भारतीय 12 महीने तक न्यूजीलैंड जा सकेंगे। छात्रों के आने-जाने और पढ़ाई के बाद काम करने के नियम भी तय किए गए हैं। पात्र भारतीय छात्र पढ़ाई के दौरान हफ्ते में 20 घंटे तक काम कर सकेंगे। योग्यता के आधार पर उन्हें पढ़ाई पूरी होने के बाद लंबा वक्त वीजा मिल सकेगा। समझौते में निवेश, शोध और नवाचार, तकनीक, कौशल विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सेवाएं और बुनियादी ढांचे में सहयोग का प्रावधान है। इसमें वस्त्र और सेवा व्यापार, निवेश, कृषि, लोगों की आवाजाही तथा सीमा शुल्क प्रक्रियाएं शामिल हैं। सरकारी बयान के अनुसार, यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को लंबे समय तक मजबूत करेगा। भारत के निर्यातकों को नया बाजार मिलेगा, जबकि न्यूजीलैंड को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार का लाभ होगा।

छात्र मौत मामले संस्थान ने मांगी माफी प्रोफेसर सूर्यनारायण इला सस्पेंड हुए...

नई दिल्ली/एजेंसी

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे में द्वितीय वर्ष के 19 वर्षीय छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। संस्थान ने साहिल की मौत से जुड़े घटनाक्रम पर पहले दिए गए अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। इसके साथ ही, विवादों में घिरे डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स, प्रोफेसर सूर्यनारायण इला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। आईआईटी बॉम्बे ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा करते हुए कहा कि घटना से पहले के हालात की जांच फिर्हाल संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जा रही है। संस्थान ने अपनी पोस्ट में लिखा, साहिल की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में हमारे पिछले संदेश में कही गई बातों के लिए हम माफी मांगते हैं। इस घटना से जुड़ी जानकारी और हालात की जांच



अभी संबंधित अधिकारियों द्वारा की जानी बाकी है। चल रही जांच को देखते हुए, उनकी मौत से पहले हुई घटनाओं के बारे में जानकारी देना या उनके बारे में कोई राय बनाना सही नहीं था, क्योंकि अभी तक जांच की सही प्रक्रिया से ये बातें पूरी तरह साबित नहीं हुई थीं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक शिरोप बी. केदारे ने स्पष्ट किया कि छात्र मामलों के डीन, प्रोफेसर सूर्यनारायण इला को तुरंत प्रभाव से निर्वासित कर दिया गया है। और आगे की वैधानिक कार्रवाई निष्पक्ष जांच के बाद की जाएगी। इसके अलावा, कैंपस में फैल रही इन अफवाहों का भी खंडन किया गया।

25 तक चार्जशीट दाखिल करें राम मंदिर में 105 बार चोरी हुई,सीसीटीवी से खुला राज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या राम मंदिर दान चोरी मामले की सुनवाई शुरू की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि स्टेट्स रिपोर्ट जमा कर दी गई है। एसआईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज से दान चोरी की 105 घटनाओं की पहचान की गई है और जांच पूरी हो चुकी है। एसआईटी 25 सितंबर तक चार्जशीट दाखिल करेगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि मामले में अब तक कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है, मंदिर में चंदा चोरी के क्या-क्या साक्ष्य मिले हैं? उपलब्ध साक्ष्यों को कोर्ट के सामने पेश भी किया गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट को गवाहों के बयान, सीसीटीवी फुटेज और अब तक मिले सबूतों की जानकारी दी गई। एसआईटी की स्टेट्स रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि वारदात में लिस आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ अन्य दूसरे मटेरियल का कैसे विश्लेषण किया गया है। अदालत ने पूरी जानकारी को अपने रिकॉर्ड में ले लिया है। एसआईटी की स्टेट्स रिपोर्ट के अनुसार, राम मंदिर के कीमती सामान की रसीद एक सॉफ्टवेयर से बनाई जाती है,



मंदिर में शुरू हुई सीईओ व्यवस्था

बता दें, राम मंदिर में चढ़ाया चोरी मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इसके बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा का खूब विरोध हुआ। विवाद बढ़ने के बाद ट्रस्ट ने दोनों पदाधिकारी को विदा कर दिया। इसके अलावा ट्रस्ट में अब सीईओ व्यवस्था भी लागू की गई और वायु सेना के पूर्व अधिकारी जितेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला सीईओ बनाया गया है।

उन्हें एसबीआई के लॉकर में रखा जाता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि एसआईटी की स्टेट्स रिपोर्ट में कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज से दान चोरी की 105 घटनाओं की पहचान की गई है और जांच पूरी हो चुकी है। एसआईटी 25 सितंबर तक चार्जशीट दाखिल करेगी।

काकीनाडा से महाराष्ट्र पहुंची लकड़ी की लुगदी की पहली रेल खेप

काकीनाडा। भारतीय रेलवे ने माल परिवहन के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए काकीनाडा बंदरगाह से महाराष्ट्र के भिगवान तक पहली बार लकड़ी की लुगदी की खेप रेल मार्ग से पहुंचाई है। अब तक करीब 15 वर्षों से महाराष्ट्र के कागज उद्योगों तक लकड़ी की लुगदी सड़क मार्ग से भेजी जा रही थी। रेल परिवहन शुरू होने से उद्योगों को एक वैकल्पिक और अधिक सुविधाजनक परिवहन माध्यम उपलब्ध हुआ है। दक्षिण तट रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, काकीनाडा से महाराष्ट्र तक लकड़ी की लुगदी को सड़क मार्ग से करीब 1,061 किलोमीटर की दूरी तय करके पहुंचाया जाता था।



उत्तरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में निर्माणधीन इमारत का एक हिस्सा ढहने के बाद का दृश्य।

मृतकों में चार लड़के और दो लड़कियां शामिल भागलपुर में बाढ़ के पानी ने ली 6 बच्चों की जान,नहाने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा...

बिहार के भागलपुर जिले से दिल् दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बाढ़ के पानी में डूबने से छह बच्चों की मौत हो गई। हादसा सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में उस समय हुआ, जब बच्चे सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में जमा पानी में नहाने गए थे। गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण सभी बच्चे डूब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत अभियान चलाया, लेकिन छहों बच्चों को नहीं बचाया जा

सका। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, सभी बच्चे सड़क के किनारे बने एक गड्ढे में जमा बाढ़ के पानी में स्नान करने के लिए गए थे। बच्चों को गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं था। स्नान करने के दौरान वे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों को जब घटना की जानकारी मिली,



तो उन्होंने बच्चों को बचाने का प्रयास शुरू किया। बाद में पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे की सूचना मिलते ही सुल्तानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों की तलाश

शुरू की। पुलिस ने सभी छह बच्चों के शव बरामद कर लिए हैं। शवों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में पांच बच्चे सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 27 के रहने वाले थे, जबकि एक बच्चा सबौर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के परिजनों में सूचना मिलते ही सुल्तानगंज थाना पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कनाडा में ट्रेनिंग के दौरान विमान क्रैश इस हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई.....

कनाडा में फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान हुए विमान हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। दोनों छात्र कमर्शियल पायलट और एविएशन ट्रेनिंग के तहत उड़ान का अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान विमान हादसे का शिकार हो गया। घटना की पुष्टि कनाडा के वैक्यूअर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने की है। हादसे की जानकारी सामने आने के बाद दूतावास ने दोनों छात्रों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की

है।प्रवासी नेटवर्क जुड़ें हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय छात्रों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरन तिरुगनानसंबंधम के रूप में हुई है। वैक्यूअर स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पर पोस्ट कर दोनों छात्रों की मौत पर दुःख जताया। दूतावास ने कहा कि दोनों की मौत कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक दुःखद विमान हादसे में हुई।

हिमांशु और रुद्राक्ष का दमदार प्रदर्शन

निशानेबाजी में हिमांशु को सिल्वर और रुद्राक्ष ने जीता ब्रॉन्ज

नई दिल्ली/ एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारत के निशानेबाजों का जलवा लगातार जारी है। सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय शूटर्स ने अपनी बेहतरीन फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में दो और नए पदक डाल दिए। युवा निशानेबाज हिमांशु ढिल्लों ने शानदार अचूक निशाना साधते हुए

सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल ने देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। इन दोनों पदकों के साथ ही मौजूदा महामुकाबले में भारत के कुल शूटिंग पदकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। खास बात यह है कि इस व्यक्तिगत सफलता से महज कुछ ही घंटे पहले इसी तिक्तड़ी ने टीम इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीता था। मुकाबले के दौरान दोनों ही भारतीय

खिलाड़ियों ने कड़ा मुकाबला पेश किया। स्टेज 2 की सीरीज 7 पूरी होने के बाद हिमांशु ढिल्लों ने कुल 252.4 अंक हासिल किए और दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, चीन के लिहाओ शेंग ने 254.2 का शानदार स्कोर बनाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जो कि एक नया एशियाई रिकॉर्ड भी है। इसके अलावा, पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल ने स्टेज 2 की छठी सीरीज के



अंत तक 230.9 अंक जुटाए और तीसरे स्थान पर रहकर ब्रॉन्ज मेडल

पर कब्जा जमाया। फइनल मैच की शुरुआत बेहद रोमांचक रही। शुरुआती दौर में रुद्राक्ष पाटिल ने बेहद मजबूत शुरुआत की और चीन के लिहाओ शेंग के साथ उनकी कड़ी टक्कर देखने को मिली। उन्होंने अपनी दूसरी सीरीज का अंत 106.0 के शानदार एप्रीगेट स्कोर के साथ किया, जबकि लिहाओ 104.9 और हिमांशु 104.8 अंकों पर थे। हालांकि, स्टेज 2 की छठी सीरीज में रुद्राक्ष का निशाना

थोड़ा चूका और वह 9.7 अंक ही जुटा सके। इसी मौके का फायदा उठाते हुए हिमांशु ढिल्लों ने 10.6 का बेहतरीन शॉट लगाकर बढ़त हासिल कर ली और दूसरा स्थान अपने नाम किया। यह शानदार सफलता उस टीम सिल्वर मेडल के ठीक बाद मिली है, जो कुछ ही समय पहले पार्थ माने के साथ मिलकर हिमांशु और रुद्राक्ष ने 10 मीटर एयर राइफल टीम फइनल में हासिल किया था।

महिला आयोग की जनसुनवाई: 13 मामलों पर हुई सुनवाई, कहीं सुलझा विवाद तो कहीं धर्म परिवर्तन व भरण-पोषण पर जारी हुए निर्देश

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में आयोजित हुई जनसुनवाई।

कुल 13 प्रकरणों पर दोनों पक्षों को सुनकर दिए गए आवश्यक निर्देश।

*** आपसी सहमति से एक जोड़े का विवाद सुलझा, कई मामलों में पुलिस और शिक्षा विभाग को पत्र जारी।**

बिलासपुर, (जनता के गोठ)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आज जल संसाधन

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना बनी मोंगरा निराला के विवाह का सहारा, परिवार को मिली आर्थिक राहत

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई सेवा की कहानी, विवाह की आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरा करने में मिली शासकीय सहायता

नीलकंठ धिरहे (जनता के गोठ)। सक्ती, 21 सितंबर 2026। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना ग्राम देवरघटा, सेक्टर हसौद, परियोजना जैजैपुर निवासी मोंगरा निराला, पति आकाश मनहर के परिवार के लिए विवाह के अवसर पर आर्थिक सहारा बनी। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत प्राप्त शासकीय सहायता से मोंगरा निराला के परिवार को विवाह संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने में मदद मिली। विवाह के दौरान आने वाले आर्थिक खर्चों के बीच योजना से मिले सहयोग ने परिवार को राहत प्रदान की और आर्थिक भार कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोंगरा निराला ने बताया कि विवाह के अवसर पर परिवार के सामने विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी थी। ऐसे समय में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के माध्यम से मिली सहायता काफ़ी उपयोगी



साबित हुई। इससे विवाह संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक मदद मिली और परिवार को राहत महसूस हुई। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को विवाह के अवसर पर शासकीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सक्ती जिले के जैजैपुर परियोजना क्षेत्र में भी पात्र हितग्राहियों को योजना का

साथ रहने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने भविष्य में किसी भी तरह का लड़ाई-झगड़ा न करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आयोग ने इस प्रकरण को नस्तीबद्ध (फाइल क्लोज) कर दिया।

भरण-पोषण मामला: मुंगेली शिक्षा विभाग को पत्र भेजने के निर्देश एक अन्य मामला भरण-पोषण और दूसरी पत्नी से संबंधित था, जिसमें आवेदिका तो उपस्थित हुई लेकिन अनावेदक अनुपस्थित रहा। जानकारी में सामने आया कि अनावेदक मुंगेली जिले में वर्ग-2 के पद पर पदस्थ शिक्षक हैं। इस पर आयोग ने शिक्षा विभाग, मुंगेली को आवश्यक पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। साथ ही आवेदिका के अधिकारों से चर्चा कर प्रकरण को



अदालत के समक्ष नियमानुसार प्रस्तुत करने की सलाह दी।

में सिविल लाइन थाने से मांगी रिपोर्ट – एक अन्य गंभीर मामले में आवेदिका की अनुपस्थिति के

कारण अनावेदक पक्ष की बात सुनी गई। सुनवाई के दौरान धर्म परिवर्तन और विभिन्न स्थानों पर शिकायत

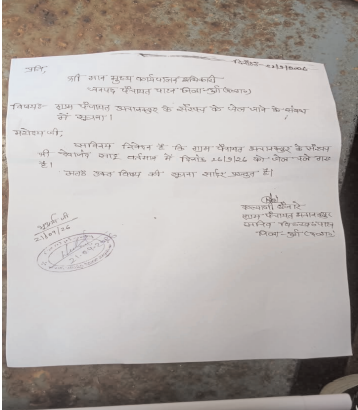
दर्ज कराने संबंधी तथ्य सामने आए। आयोग ने इस पर कड़ा रख अपनाते हुए संबंधित थाना सिविल

लाइन से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। आयोग ने निर्णय लिया कि आगामी सुनवाई में केवल आवेदिका को ही बुलाया जाएगा।

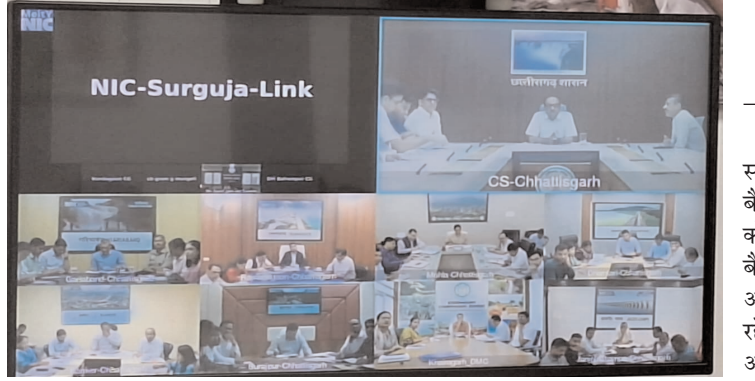
अन्य प्रकरणों में मिली अगली तारीख तारीख की गलतपहमी : एक मामले में अनावेदक के अनुपस्थित रहने पर फेन से संपर्क किया गया, जिस पर उसने तारीख को लेकर भ्रम होने की बात कही। पुत्री ने रखा पक्ष : एक अन्य प्रकरण में आवेदिका की सुपुत्री ने उपस्थित होकर बताया कि उनकी मां अगली सुनवाई में स्वयं उपस्थित होंगी। इन सभी लंबित मामलों को आयोग ने अगली सुनवाई की तिथि में सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं।

अचानकपुर के पंचों ने सरपंच को निलंबित कर कार्यवाहक सरपंच नियुक्त करने की मांग की

पाटन (जनता के गोठ)। जनपद पंचायत पाटन के बहुचर्चित ग्राम पंचायत अचानकपुर में सरपंच के न्यायिक अभिरक्षा में होने के बाद पंचायत संचालन को लेकर पंचों ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। ग्राम पंचायत के नौ पंचों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) पाटन को ज्ञापन सौंपकर सरपंच देवानंद साहू को निलंबित करने तथा पंचायत के सुचारू संचालन के लिए कार्यवाहक सरपंच नियुक्त करने की मांग की है। पंचों ने ज्ञापन में बताया कि सरपंच देवानंद साहू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के तहत मामला दर्ज है। उन पर सतनामी समाज के संबंध में कथित अभद्र टिप्पणी करने का आरोप है। पंचों के अनुसार, विशेष थाना दुर्ग की पुलिस



ने 16 सितंबर को सरपंच को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह केंद्रीय जेल दुर्ग में न्यायिक अभिरक्षा में हैं।



पंचों ने अपने ज्ञापन में पंचायत राज अधिनियम की धारा 39(1) का हवाला देते हुए कहा कि यदि कोई सरपंच 24 घंटे से अधिक समय तक न्यायिक अभिरक्षा में रहता है तो उसके पद से संबंधित वैधानिक कार्रवाई का प्रावधान है। लंबे समय से सरपंच के अनुपस्थित रहने के कारण ग्राम पंचायत के कामकाज प्रभावित होने की बात कहते हुए पंचों ने तत्काल आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में यह भी बताया गया है कि विशेष न्यायालय द्वारा सरपंच की याचिका खारिज की जा चुकी है। वहीं, उच्च न्यायालय बिलासपुर में जमानत याचिका की सुनवाई में समय लगने की संभावना को देखते हुए पंचों ने पंचायत के प्रशासनिक कार्यों के संचालन

के लिए कार्यवाहक सरपंच नियुक्त करने की मांग की है।

पंचों का कहना है कि सरपंच के जेल में होने के कारण ग्राम पंचायत के दैनिक एवं विकास कार्यों के संचालन में समस्या उत्पन्न हो रही है। इसलिए नियमानुसार तत्काल कार्रवाई करते हुए कार्यवाहक सरपंच की व्यवस्था की जाए।

ज्ञापन सौंपने वालों में सुखी निर्मल, टामन, उर्वशी साहू, गायत्री यादव, कमलेश्वरी साहू, ओमकुमारी, मैना साहू, भारती साहू और मनोज साहू शामिल हैं।

इधर, पंचायत सचिव कल्याणी बंजारे ने भी सरपंच के जेल जाने की लिखित सूचना जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को दिए जाने की जानकारी दी है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा

भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोठ। 21 सितंबर 2026। छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव श्री विकास शील ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर एवं कलेक्टरों की बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान के संचालन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अभियान को प्रभावी एवं सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सचिव सामान्य प्रशासन श्री अविनाश चंपावत, सचिव आवास एवं पर्यावरण श्री अंकित आनंद, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव श्री रजत बंसल सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, सहायक कलेक्टर श्री यशवंत नायक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नुआखाई पर्व पर सरपंच संतोष कश्यप ने दी क्षेत्रवासियों को जुहार भेंट

नए चावल, नई फसल और नई खुशियों के पर्व पर सुख-समृद्धि की कामना

बकावंड जनता के गोठ। ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने नए चावल, नई फसल और नई खुशियों के पावन पर्व नुआखाई के अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक जुहार भेंट एवं शुभकामनाएं दीं। सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने ग्रामवासियों, बड़े-बुजुर्गों, माताओं-बहनों, युवा साथियों एवं किसान भाइयों को नुआखाई पर्व की बधाई देते हुए कहा कि नुआखाई अन्नदाता किसानों और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व नई फसल के स्वागत के साथ आपसी भाईचारे, खुशहाली और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि



नुआखाई के पावन अवसर पर वे कामना करते हैं कि क्षेत्र के प्रत्येक परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे तथा किसानों के खेतों में भरपूर फसल हो। सभी के जीवन में खुशहाली आए और क्षेत्र निरंतर विकास की ओर आगे बढ़े। सरपंच ने कहा, नुआखाई हमारे लिए केवल

पर्व नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा और अन्न के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर है। सभी क्षेत्रवासियों को नुआखाई जुहार। इस अवसर पर उन्होंने समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों के सुखमय, समृद्ध एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

भटगांव : नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

जाहद अंसारी (जनता के गोठ)। भटगांव। नाबालिग से दुष्कर्म और अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर शारीरिक शोषण करने के आरोप में भटगांव पुलिस ने एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान ग्राम सलका निवासी मधुसुदन गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 17 सितंबर 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी शिक्षक ने नाबालिग के साथ जबरन दुष्कर्म किया तथा उसके अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर लगातार शारीरिक शोषण किया। आरोपी के खिलाफमामला दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफबीएनएस की



धारा 65(1), 64(2)(एम), 351(3) तथा पाँक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी।

मुखबि की सूचना पर गिरफ्तारी– पुलिस के अनुसार मुखबि से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 20 सितंबर 2026 को आरोपी मधुसुदन गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में पुलिस द्वारा आगे की विवेचना की जा रही है।

अब जिले के सभी थानों-चौकियों में ई-चालान से होगी कार्रवाई

यातायात नियम तोड़ने पर मौके पर ही ऑनलाइन चालान, कैशलेस भुगतान की सुविधा

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में यातायात नियमों के उल्लंघन पर अब मौके पर ही ऑनलाइन ई-चालान की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर डिजिटल ऑनलाइन चालान एवं कैशलेस व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में ई-चालान व्यवस्था लागू की गई है।

पुलिस अधीक्षक वैभव बैकर (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के निर्देश पर जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों तथा संबंधित अधिकारियों की ई-चालान आइडी तैयार की गई है। अधिकृत डिवाइस के माध्यम से पुलिस अधिकारी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मौके पर ही ऑनलाइन चालान जारी कर सकेंगे।

नई व्यवस्था के तहत बिना



हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, शराब के नशे में वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। ई-चालान जारी होने के बाद वाहन चालक अथवा वाहन स्वामी परिवहन विभाग की वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन चालान राशि का भुगतान कर सकेंगे।

यातायात प्रभारी एवं रक्षित निरीक्षक विमलेश कुमार देवांन ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के

निर्देशानुसार जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को ई-चालान व्यवस्था से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य चालानी कार्रवाई को त्वरित, पारदर्शी और कैशलेस बनाना तथा यातायात नियमों के पालन को प्रभावी करना है। पुलिस के अनुसार ई-चालान व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन से यातायात नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई के साथ सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलेगी।

धान उठाव में देरी पर लैम्पस प्रभारियों का फूटा गुर्रसा

सहकारी बैंक की आमसभा में इस साल खरीदी नहीं करने की चेतावनी; उपाध्यक्ष ने मार्कफेड और प्रशासन की व्यवस्था पर उठाए सवाल

सुकमा (जनता के गोठ)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की आमसभा में सुकमा, बीजापुर सहित अंदरूनी क्षेत्रों से पहुंचे लैम्पस प्रभारियों ने पिछले खरीफ सीजन के धान उठाव में हुई देरी को लेकर नाराजगी जताई। प्रभारियों ने आरोप लगाया कि केंद्रों से समय पर धान का उठाव नहीं होने के कारण बड़ी मात्रा में सुखती और खराबी हुई, लेकिन अब इसकी भरपाई का दबाव लैम्पस प्रभारियों पर बनाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो इस वर्ष धान खरीदी से दूरी बनाने का निर्णय लिया जा सकता है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा ने भी इस मुद्दे पर प्रशासन और मार्कफेड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनके अनुसार बीजापुर और सुकमा जैसे क्षेत्रों में 25 मई तक केंद्रों से धान का उठाव नहीं हो पाया था। लंबे समय तक खुले में धान पड़े रहने से करीब 2 से 2.5 प्रतिशत तक सुखती आने और ब्राशिंग के कारण धान खराब होने की बात कही गई।

आरओ समय पर नहीं कटे, श्रीनिवास मिश्रा के अनुसार धान का समय पर उठाव कराने के लिए रिलीज ऑर्डर (आरओ)



फिर प्रभारियों पर कार्रवाई क्यों? प्रभारियों ने कहा कि लैम्पस प्रभारियों ने 25 मई तक केंद्रों से धान का उठाव नहीं हो पाया था। लंबे समय तक खुले में धान पड़े रहने से करीब 2 से 2.5 प्रतिशत तक सुखती आने और ब्राशिंग के कारण धान खराब होने की बात कही गई।

अब लैम्पस प्रभारियों पर एफआईआर और क्षतिपूर्ति का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने वास्तविक सुखती और जानबूझकर की गई गड़बड़ी के बीच अंतर करने की मांग की।

जिलों में क्षतिपूर्ति के नियम अलग-अलग होने का आरोपसम उपाध्यक्ष ने बताया कि कोडगांव में 2 प्रतिशत तक की छूट देकर धान का मिलान कराया गया, जबकि जगदलपुर में 1.5 प्रतिशत की छूट दी गई। उनके मुताबिक यहां कुल शॉर्टेंज करीब 1.66 प्रतिशत रहा। दूसरी ओर सुकमा और बीजापुर में

अधिकारियों द्वारा पूरी भरपाई का दबाव बनाए जाने की शिकायत सामने आई है। उनका कहना है कि प्राकृतिक रूप से हुई सुखती को लेकर एक समान नीति अपनाई जानी चाहिए।

दूर के मिलर्स को आवंटन से बड़ी परिवहन की परेशानी मिश्रा ने आरोप लगाया कि स्थानीय मिलर्स को धान आवंटित करने के बजाय धमतरी जैसे दूरस्थ क्षेत्रों के मिलर्स को आरओ जारी किए गए। लंबी दूरी के कारण परिवहन में देरी हुई और इसका असर उठाव व्यवस्था पर पड़ा। उन्होंने कहा कि जहां किसी लैम्पस प्रभारी द्वारा जानबूझकर गड़बड़ी की गई है, वहां कार्रवाई और राशि की वसूली उचित है, लेकिन वास्तविक सुखती अथवा प्रशासनिक देरी का भार प्रभारियों पर नहीं डाला जाना चाहिए। आमसभा में लैम्पस प्रभारियों ने इस पूरे मामले में स्पष्ट नीति बनाने, वास्तविक क्षति का आकलन करने और जिम्मेदारी तय करने की मांग रखी। प्रभारियों का कहना है कि समाधान नहीं हुआ तो आगामी धान खरीदी व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

बस्तर जिला दवा विक्रेता संघ की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, प्रशांत सरडे फिर बने अध्यक्ष

जगदलपुर (जनता के गोठ)। बस्तर जिला दवा विक्रेता संघ का त्रिवार्षिक चुनाव 2026 बिनाका हेरिटेज होटल में संपन्न हुआ। चुनाव के बाद नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। समारोह में संगठन के सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रशांत सरडे ने पुनः अध्यक्ष पद की शपथ ली। वहीं मोहम्मद असद खान ने उपाध्यक्ष, सतीश शुक्ला ने सचिव, रोहित महापात्र ने कोषाध्यक्ष, दिनेश पांडे ने सह-सचिव, विनोद श्रीवास्तव ने संगठन सचिव तथा योगेश तिवारी ने पीआरओ पद की



शपथ ग्रहण की।

कार्यक्रम में वरिष्ठ केमिस्ट शाहिद जाफ्री, अनिल मालवीय, थॉमस चाको, नितेश शुक्ला, पवित्र साह, आलोक अर्जपाल, दिलीप कुंड, अभिषेक जैन, मनोज बुलवानी, दीपक पांडे, राकेश

ढाली, आशीष मंडल, बालाजी नायडू, मनीष तिवारी, आशीष सरडे सहित युवा केमिस्ट रोहित शर्मा की विशेष उपस्थिति रही।

समारोह में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से करीब 200 केमिस्टों ने सहभागिता की। उपस्थित सदस्यों ने

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने तथा दवा विक्रेताओं से जुड़े मुद्दों और हितों के लिए निरंतर कार्य करने की अपेक्षा जताई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने

संगठन के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए दवा विक्रेता समुदाय के हितों को प्राथमिकता देने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कौड़ावंड में 32 गांवों के हल्बा समाज ने मनाया नवाखाई जुहार भेंट

आदिवासी परंपरा और रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया नवाखाई पर्व, समाज के छोटे-बड़े सभी लोग हुए शामिल



बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कौड़ावंड में हल्बा समाज द्वारा आदिवासी परंपरा और रीति-रिवाजों के साथ नवाखाई जुहार भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गढ़ जैतपीरी क्षेत्र के 32 गांवों से समाज के लोग शामिल हुए। इस दौरान समाज के छोटे-बड़े सभी लोगों ने एक-दूसरे से जुहार भेंट कर नवाखाई पर्व की शुभकामनाएं दीं।

गढ़ अध्यक्ष नीलम नायक ने कहा कि नवाखाई जुहार भेंट हल्बा समाज की पुरानी और महत्वपूर्ण

परंपरा है। हर वर्ष ग्राम पंचायत कौड़ावंड में समाज के लोग एकजुट होकर इस पर्व को मनाते हैं। ऐसे आयोजन समाज को अपनी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों से जोड़ने का काम करते हैं।

वहीं पूर्व गढ़ अध्यक्ष हरीशचंद्र लेकाल ने कहा कि आदिवासी समाज की परंपराएं सदियों से चली आ रही हैं। इन्हें भुलाया नहीं जा सकता। नवाखाई पर्व हमारी संस्कृति और सामाजिक एकता का

प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान नीलम नायक और हरीशचंद्र लेकाल ने समस्त बस्तरवासियों को नवाखाई जुहार भेंट की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए जय जोहार का संदेश दिया।

नौकरी लगाने के नाम पर 3.55 लाख की ठगी, फर्जी SECL अधिकारी बनकर दिया नियुक्ति पत्र

खड़गवां पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार, दो अन्य की तलाश जारी

जाहिद अंसारी (जनता के गोठ)। सूरजपुर। एसईसीएल में नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख 55 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में खड़गवां चौकी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने स्वयं को एसईसीएल का अधिकारी बताकर प्रार्थी को नौकरी दिलाने का झांसा दिया और रकम लेने के बाद फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम खड़गवां माझापारा निवासी ललित राम ने चौकी खड़गवां में शिकायत दर्ज कराई थी कि निलेश पाल सहित दो अन्य लोगों ने एसईसीएल



में नौकरी लगाने के नाम पर उससे कुल 3 लाख 55 हजार रुपये लिए। इसके बाद उसे फर्जी नियुक्ति पत्र देकर धोखाधड़ी की गई।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर चौकी खड़गवां में अपराध क्रमांक 281/2026 के तहत बीएनएस की धारा 318(4), 338 एवं 3(5)

में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मुखबिबर की सूचना पर आरोपी गिरफ्तार- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल (भापुरे) ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तारी के

निर्देश दिए। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखबिबर की सूचना और तकनीकी संसाधनों की मदद से दबिश देकर निलेश पाल पिता स्व. पिन्टू पाल, उम्र 38 वर्ष, निवासी सरभोका, चौकी घाट के नीचे नामपुर, थाना पोड़ी, जिला एमसीबी को पकड़ा।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी से फेन-ये और नगद माध्यम से रकम लेने तथा नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

कार्रवाई में चौकी प्रभारी खड़गवां मनोज सिंह सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

700 रुपये में बैल खरीदकर वध करने का पुलिस के सामने कबूलनामा, मांस के टुकड़े व शरीर के अन्य हिस्से बरामद

बलरामपुर (जनता के गोठ) : चौकी विजयनगर पुलिस ने ग्राम लावा के जंगल में पशु वध के मामले में कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 325, 238, 3(5), छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 10 तथा पशु कूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक,



3 सितंबर 2026 को ग्राम लावा के जंगल में संधिध वस्तु दिखाई देने तथा पशु वध की आशंका की सूचना मिली थी। सूचना पर विजयनगर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पशु चिकित्सा विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने जंगल में तलाशी अभियान चलाया, जहां हड्डियां और जमीन पर बिखरे खून के निशान मिले। जांच के दौरान ग्रामीणों से पूछताछ कर संधिध

हिस्से बरामद किए।

मामले की जांच में अपराध की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश के बाद सभी आरोपियों को जिला जेल रामनुजगंज भेज दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी: दयाशंकर मुरुम (31), हरवान चरगत (42), रामाशंकर पल्हे (41), अनिमेश केरकेट्टा (22), मार्शेल एक्का (25) और रामसाय मुरुम (45), सभी निवासी ग्राम लावा, चौकी विजयनगर, थाना रामानुजगंज।

पुलिस के अनुसार मामले में आगे की विवेचना जारी है तथा अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है।

देवेन्द्र नगर में श्रीमद् भागवत कथा: विधायक पुरन्दर मिश्रा ने इंद्रेश जी महाराज से लिया आशीर्वाद, क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर (जनता के गोठ)। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के देवेन्द्र नगर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में भक्ति और अध्यात्म का अनूठ संगम देखने को मिला। भाजपा जिला महामंत्री श्री गुंजन प्रजापति द्वारा आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा विशेष रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने परम पूज्य इंद्रेश जी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया और महाराज श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कथा मंडप में आम श्रद्धालुओं के बीच बैठकर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की और रायपुर उत्तर विधानसभा सहित संपूर्ण क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

भागवत कथा सनातन संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक: पुरन्दर मिश्रा

इस अवसर पर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा भारतीय सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का दिव्य स्वरूप है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलान् और उनके



दिए संदेश मनुष्य को धर्म, सत्य, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में उच्च नैतिक संस्कारों, सामाजिक सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। उन्होंने सफ्त आयोजन के लिए आयोजक व भाजपा जिला महामंत्री श्री गुंजन प्रजापति और समस्त आयोजक मंडल की सराहना करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा हर परिवार पर बनी रहे और सभी का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण हो।

कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कई प्रमुख हस्तियां रही मौजूद आयोजन में पूज्य शदाणी दरबार पीठाधीश्व डॉ. युधिष्ठिर लाल जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा श्री पियूष मिश्रा, तेलीबांधा मंडल अध्यक्ष श्री दलविंदर सिंह बेदी, जवाहर नगर मंडल अध्यक्ष श्री संदीप जंघेल, जिला मंत्री श्रीमती अर्चना हुकरे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अंचल वर्मा - दुर्ग , उत्तई । जनता के गोठ दुर्ग -

जामुल थाना क्षेत्र के ग्राम कुरुद में रविवार सुबह आपसी विवाद के बाद एक व्यक्ति की ईंट से सिर पर हमला कर



हत्या कर दी गई। मृतक अपने परिचित के साथ ग्राम कुरुद में एक व्यक्ति के घर मेहमान के रूप में आया था। घटना की सूचना शाम करीब 4 बजे पुलिस को मिली, जिसके बाद जामुल पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।नगर पुलिस अधीक्षक प्रशांत पैकरा के अनुसार, मृतक की पहचान पूरन भारती (50 वर्ष), पिता लोकनाथ भारती, निवासी ग्राम खोपली, थाना उत्तई के रूप में हुई है। पूरन भारती अपने परिचित मनीष बघेल के साथ ग्राम कुरुद निवासी राजा जोशी के घर आया हुआ था। बताया गया कि 20 सितंबर रविवार को सुबह करीब 11 बजे पूरन भारती और राजा जोशी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान राजा जोशी ने कथित तौर पर घर में रखी ईंट से पूरन भारती के सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से पूरन भारती की मौत हो गई। घटना की जानकारी शाम करीब 4:00 बजे जामुल थाना को मिली, सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए आरोपी राजा जोशी को हिरासत में ले लिया ।

लावा नदी के पास ग्रामीणों ने घेरकर रोका, तीसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर प्यार

बलरामपुर (जनता के गोठ) : कुसमी-जशपुर मार्ग पर चार भैंसों को कथित तौर पर डंडे से कूररतापूर्वक मारते-पीटते हुए झारखंड बूचड़खाना ले जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सूचना और पीछा करने के बाद लवकशपुर और भवानीपुर के बीच लावा नदी के पास दो सदिग्धों को पकड़ लिया गया, जबकि एक व्यक्ति अंधेरे का फयदा उठाकर मौके से प्यार हो गया। पुलिस के अनुसार घटना 20 सितंबर की रात करीब 3 बजे की है। प्रार्थी नानकचंद राम भगत को सूचना मिली थी कि कुछ लोग चार भैंसों को मारते-पीटते हुए कुसमी-जशपुर मार्ग से झारखंड बूचड़खाना



ले जा रहे हैं। सूचना के बाद प्रार्थी और ग्रामीणों ने उनका पीछा किया और लावा नदी के पास उन्हें रोक लिया। पकड़े गए दोनों व्यक्तिओं ने सूछताछ में अपना नाम अशोक उर्फ अकबर निवासी बहरेना, थाना आस्ता, जिला जशपुर तथा राजदीप निवासी खम्हली, थाना आस्ता, जिला जशपुर बताया। पुलिस के मुताबिक, तीसरा व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। ग्रामीणों ने चारों भैंसों को सुरक्षित ग्राम भवानीपुर में रखा।

मामले में थाना कुसमी पुलिस ने अपराध क्रमांक 83/2026 दर्ज कर छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 एवं 10 के तहत विवेचना शुरू की। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की, जिसके बाद उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस प्यार तीसरे व्यक्ति की तलाश कर रही है। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

नरोला-तेंदुबांध सड़क बढहाल, रोज गुजरती हैं बसें और सैकड़ों वाहन

आधा किलोमीटर मार्ग वर्षों से मरम्मत का इंतजार, इवें वित की राशि के उपयोग पर उठे सवाल

जाहिद अंसारी प्रतापपुर। ग्राम पंचायत नरोला (बड़कापारा) बाजार से तेंदुबांध और रेवटी को जोड़ने वाला करीब आधा किलोमीटर लंबा सड़क मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। कच्ची और जर्जर सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भरने से आवागमन और मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब होने के बावजूद जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर नहीं है।

रोजाना गुजरती हैं बसें, बढ़ा आवागमन

ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों दोपहिया व अन्य वाहन गुजरते हैं। वहीं एक दर्जन से अधिक बसें का भी नियमित आवागमन होता है। थोथा पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद इस मार्ग का महत्व और बढ़ गया है, जिससे



वाहनों की संख्या में भी इजाफ़ हुआ है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पंचायत निधि के उपयोग पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने पंचायत में उपलब्ध विभिन्न विकास मदों की राशि के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि सड़क की मरम्मत या सुधार के लिए पंचायत स्तर पर राशि स्वीकृत अथवा खर्च की गई है, तो उसका असर मौके पर दिखाई देना चाहिए। ग्रामीणों ने 15वें वित्त आयोग सहित पंचायत की अन्य विकास मदों से सड़क और मूलभूत सुविधाओं पर खर्च की गई राशि

की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच के माध्यम से यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि सड़क मरम्मत के लिए कोई राशि स्वीकृत हुई या नहीं, यदि राशि खर्च हुई है तो कार्य कितना हुआ और उसका वास्तविक लाभ ग्रामीणों को मिला या नहीं।

सरपंच-सचिव की कार्यप्रणाली पर सवाल

सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब मार्ग से नियमित रूप से बसें और बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है, तो समय रहते सड़क की मरम्मत क्यों नहीं कराई गई।

प्रशासन से जांच और मरम्मत की मांग

ग्रामीणों ने जनपद पंचायत प्रतापपुर और जिला प्रशासन सूरजपुर से सड़क का मौके पर निरीक्षण कराने, इसकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने तथा पंचायत द्वारा पिछले वर्षों में सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं पर खर्च की गई राशि के अभिलेखों की नियमानुसार जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाली से सबसे अधिक परेशानी रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को हो रही है। उन्होंने प्रशासन से मार्ग की तत्काल मरम्मत कराने के साथ पंचायत निधि के उपयोग की भी जांच कराने की मांग की है।

डभरा पुलिस ने चोरी की वारदात का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और 20 हजार रुपये किए थे चोरी, लाखों का मशरूका बरामद

नीलकंठ थिरे सक्ती। जिले के डभरा थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणभाटा में घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नगदी चोरी करने के मामले में डभरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर उसे न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 सितंबर 2026 को लक्ष्मणभाटा निवासी मोहन लाल लहरे ने थाना डभरा में अपने घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी के अनुसार, परिवार पूजा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से बाहर गया था। वापस लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ और खुला मिला। अंदर जाकर देखने पर अलमारी का लॉक भी



टूटा हुआ था। अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण और 20 हजार रुपये नगद गायब थे। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डभरा पुलिस ने तत्काल पतासाजी और विवेचना शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने चेतन सिंघल (22 वर्ष), पिता प्रवीण कुमार सिंघल, निवासी अंजोरीपाली, मोहापाली रोड, सुभाष

चौक, थाना खरसिया, जिला रायगढ़ से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने प्रार्थी के घर के पीछे खेत के पास छिपाकर रखे सोने का मंगलसूत्र, सोने की बालियां, चांदी का पायल, मोबाइल फ़ोन सहित अन्य चोरी का सामान बरामद किया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया

गया। पुलिस अधीक्षक प्रफ़ुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चंद्रपुर/डभरा सुमित गुप्ता के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में थाना प्रभारी डभरा निरीक्षक राजेश कुमार पटेल, सहायक उप निरीक्षक हरनारायण ताप्रकार, प्रधान आरक्षक रमेश चंद्रा तथा आरक्षक मीरिश साहू, अंजय बजारे और राजेश थिरेहा का विशेष योगदान रहा।

संपादकीय

नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन के बाद भारत के सामने संभावनाएँ और विकल्प के नए रास्ते खुल रहे हैं। ऐसे में बेहतर हो कि अमेरिका अपनी शुल्क-नीति के सहारे टकराव के नए मोर्चे खोलने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग का साझीदार बने। कुछ समय की नरमी के बाद अमेरिका ने एक बार फिर से आर्थिक मोर्चे पर अपनी मनमानी का रुख अख्तियार कर लिया लगता है। हालाँकि यह समझना मुश्किल है कि मौजूदा भू-राजनीतिक दौर में जब दुनिया

बहुध्रुवीय हो रही है, अमेरिका आखिर क्यों यह चाहता है कि कोई देश उसके प्रभाव में खुद को समेट कर रखे और दूसरी ओर न देखे, भले ही इस क्रम में उसे अमेरिका पर पूरी तरह निर्भर होना पड़े।यह बेवजह नहीं है कि उसकी मनमंजी को ज्यों का त्यों स्वीकार करने के बजाय कुछ देश अब अपना वैकल्पिक रास्ता भी तैयार रखना चाहते हैं। भारत भी वैसे देशों में एक है, जिसे अमेरिका ने पिछले साल शुल्क दरें बढ़ा कर अपने प्रभाव में लाने और

वहीं सीमित रखने की कोशिश की थी, लेकिन भारत ने अपने विवेक का सहारा लेकर वैकल्पिक मोर्चे तैयार रखे और इसी वजह से उसे विपरीत हालात से निपटने में मदद भी मिली।मगर यह भी सच है कि जिन चुनौतियों से सहजता के साथ निपटा जा सकता है, ऐसी स्थिति में उनसे पार पाने में अतिरिक्त ऊर्जा और संसाधन खर्च करने की जरूरत पड़ती है।गौरतलब है कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद शुल्क लगा

की ओर कदम बढ़ाए हैं। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ भारत और चीन जैसे उसके तेल एवं गैस के व्यापारिक साझेदार देशों पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार देने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'लिट्रसे ओ ग्राहम सैंवशनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ़ 2026' विधेयक पारित किया है। अमेरिकी सीनेट इसे पिछले महीने ही पारित कर चुकी है। ट्रंप अगर इस पर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो उसके बाद यह

कानून बन जाएगा।यानी ट्रंप के हाथ अब एक ऐसा हथियार है, जिसके जरिए वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब चाहें, शुल्क-युद्ध शुरू कर सकते हैं या उसे किसी खास देश को अपने प्रभाव में लाने के लिए इस्तेमाल में ला सकते हैं। पिछले साल अगस्त में भी अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के सवाल पर भारत पर पचास फीसद तक का शुल्क लगा दिया था, लेकिन एक व्यापारिक समझौते के तहत अतिरिक्त शुल्क को फरवरी 2026 में हटा लिया गया था।अब

फिर से इस बात की आशंका खड़ी हो रही है कि अमेरिका में अगर यह कानून अमल में आ जाता है, तो वह रूस से तेल खरीद के सवाल पर भारत और चीन पर नए सिरे से शुल्क लगाने और अपनी मनमानी थोपने की कोशिश कर सकता है। हालाँकि भारत ने इस बार यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अमेरिका की मनमंजी के प्रभाव में आने के बजाय अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सच्ची वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सि से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है।

यूपीआई शुल्क: सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

(ललित गर्ग)

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सच्ची वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सि से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर नि:शुल्क रहेगा। ₹2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। ₹2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और ₹.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम ₹. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग ₹.29.82 लाख करोड़ रहा। अब आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे

एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वहीं भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वॉपों तक नि:शुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप



से असहजता पैदा होती है।

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अव्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के ₹2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शुन्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए ₹.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका

उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।

इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। ₹.100, ₹.500 या ₹.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्तें शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए।

दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को खबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियाँ, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियाँ और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान

व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियाँ पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा नि:शुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है।

यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहे, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगे, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए-'उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सवाल से नहीं, जवाब के लहजे से बिगड़ रहे हैं रिश्ते

(अनिता वर्मा)

आज भौतिकवादी दौड़ में सब चले जा रहे हैं, कोई किसी को सुनना नहीं चाहता। सब आत्मकेन्द्रित होकर स्वयं को सही मानकर चले जा रहे हैं। प्रश्नाकुलता जीवंतता की निशानी कही जा सकती है। प्रश्न करना बौद्धिक मंथन का पर्याय है। प्राचीन समय से ही प्रश्न जीवन यात्रा के अहम पड़ाव रहे हैं। जीवन और उसके आसपास के परिवेश पर चिंतन-मंथन हमें प्रश्नाकुल बनाता है। लोक जीवन में व्याप्त पहलियों के जन्म का मूल भी यही रहा है। मानव सदैव से जिज्ञासु है।

वह वैसा सब जानना चाहता है, जिनसे वह अनभिज्ञ है, जो उसके भीतर द्रढ़ पैदा करता है, व्याकुल बनाता है, लेकिन आज प्रश्न केवल प्रश्न नहीं रहे। वे प्रतिप्रश्न के साथ जुड़कर संवाद की दिशा बदल रहे हैं। फिर प्रतिप्रश्न का लहजा, बोलने का ढंग, तरीका इतना अजीब है कि ये परिवार, रिश्ते, दोस्तों के बीच गहरी खाई बनते जा रहे हैं।

आज भौतिकवादी दौड़ में सब चले जा रहे हैं, कोई किसी को सुनना नहीं चाहता। सब आत्मकेन्द्रित होकर स्वयं को सही मानकर चले जा रहे हैं।

प्रारंभ से ही प्रश्न के मूल आधार शब्द क्यों, कब, कैसे रहे हैं। इनके जवाब भी तसल्ली और शालीनता से दिए जाते रहे हैं, पर इन दिनों संवाद शैली में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। आपसी बातचीत और संवाद की शैली ही मानो बदल गई है। सब ओढ़ी हुई व्यस्तता में मस्त हैं। कुछ उदाहरण यहां उल्लेखनीय हैं। दो मित्रों की बातचीत है। एक मित्र- 'क्या बात है बहुत दिनों से दिखे नहीं'ज न तो फोन उठाते हो न जवाब देते हैं?' प्रत्युत्तर में मित्र ने कहा- 'हां, तो क्या हो गया? अब कह लो, क्या कहना है! कभी व्यस्तता के चलते हो जाता है।' हालाँकि जिन्हें घनिष्ठ मित्रों या परिवार जन से सामंजस्य बनाकर चलना होता है, या कहीं संबंधों को आगे तक बनाए रखने का मन होता है, वे इसे अनदेखा करते हुए आगे बढ़ जाते हैं। मगर किया गया प्रतिप्रश्न सामने वाले को भीतर तक आहत तो अवश्य करता है। स्वस्थ रिश्ते मरने लग जाते हैं।

इसीलिए कहा गया है कि बातचीत करना भी एक कला है। भागदौड़ भरे जीवन में मनुष्य यह महसूस नहीं कर पाता कि ऐसे कटु संवाद और व्यवहार से वह क्या खोता चला जा रहा है और एक दिन यही उसके तनाव, अंतर्द्वंद्व, अवसाद का प्रमुख कारण बन जाते हैं। रोजाना सड़क पर चलते हुए, आस-पड़ोस, गली-मोहल्ले में ऐसे दृश्य दिखाई देते हैं, जहां बोलना जरूरी होता है, पर सब चुप्पी लगाए रहते हैं। उनका कहना है कि कौन आफत मोल लेता।

एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी से सिर्फ इतना कहा कि 'गली में गाड़ी जरा धीरे चलाओ... ये अपना साइलेंसर ठीक करा लो।' रोज इतना शोर होता है'ज छोटे बच्चे भी गली में हैं!' जवाब मिला है- 'हां तो?' गली में आना-जाना क्या बंद कर दें?' बस यही 'हां तो' का लहजा इतना तकलीफदेह होता है कि वाद-विवाद शुरू हो जाता है। हाथापाई होने लगती है और चारों तरफ तमाशाबीन एकत्र हो जाते हैं।

आज कई घरों में भी प्रश्न और प्रतिप्रश्न के बीच संवाद कब टकराहट में बदल जाता है, पता ही नहीं चलता। तर्क तो ठीक है, पर कुतर्क हमेशा विवाद और बहस को जन्म देते हैं। उसका प्रभाव देर तक मस्तिष्क पर रहता है, जो संबंधों में तनाव और अलगाव की स्थिति पैदा करता है। जब तक हम चुप रहते हैं, किसी की गलती को इंगित नहीं करते, तब तक सब ठीक चलता रहता है। बोलते ही उनटा वार शुरू हो जाता है।

आज परिवेश बदल रहा है। प्रत्येक व्यक्ति ज्ञान से समृद्ध है, पर यह ज्ञान कहां और कब प्रयुक्त करना है, इसका अभाव ही विवाद को जन्म देता है। भावों का संप्रेषण सही न होने पर भी स्थितियाँ विकट हो जाती हैं। कई बार मोबाइल पर किए संवाद आग में घी का काम करते हैं। बात करने वाले के भाव नहीं दिखते, आवाज सुनाई देती है। यहीं पर अनेक प्रश्न उठ खड़े होते हैं।

हमेशा प्रश्नात्मक बने रहना भी उचित नहीं रहता। सहजता और सरलता भी जरूरी होती है, जिससे संवाद आनंददायक और प्रभावी बन सके। हालाँकि कई बार सहजता से किए गए प्रतिप्रश्न और प्राप्त सही उत्तर उपयोगी और ज्ञानवर्धक भी सिद्ध होते हैं। मनुष्य को समृद्ध भी करते हैं। बोलने का तरीका या लहजा भी सार्थक संवाद की विशिष्टता कहे जा सकते हैं। प्रश्नाकुल बनना चाहिए, पर स्वयं को समृद्ध करने के लिए, न कि व्यर्थ की बहस में पड़ने के लिए। कई बार ऐसे दृश्य दिखाई पड़ जाते हैं कि कोई व्यक्ति गली में किसी के घर के सामने अपनी गाड़ी कुछ समय के लिए खड़ी करके कोई पता पूछ रहा हो, वहां से गुजरने वाले अन्य वाहनवाले हार्न बजा-बजा कर अहसास दिला देते हैं कि आप गस्त हैं। बात सामान्य है, पर जब सामने वाले की भाव-भंगिमा से लगे कि वह कुछ देर में जब चला जाएगा, वह इशारा भी करे, तो भी उसे भला-बुरा कहा जाए। कई बार सिर्फ इतनी ही बात भयंकर झगड़े का कारण बन जाती है। भाषा व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होती है। भाषा भावों की वाहिनी कही जाती है और बोला गया प्रत्येक वाक्य सामने वाले पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ता है।

बढ़ते तापमान से खेती पर गहराता संकट, फसलों से किसानों की आय तक पर असर

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं 'इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' ने जून 2021 में जारी चार हजार पन्नों की रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खतरों से अवगत कराया था। इसमें अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2050 तक आठ करोड़ से अधिक लोग भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं। अगर वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

(रवि शंकर)

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक ताप का खतरा लगातार बढ़ रहा है। बेशक यह मानवीय गतिविधियों का ही नतीजा है, लेकिन हम ऐसा कोई कारण उपाय नहीं खोज पाए हैं, जो इस संकट से उबार सके। भारत में बदल रहे मौसम के मिजाज को भी जलवायु परिवर्तन से जोड़कर ही देखा जा रहा है। कभी असमय गर्मी, तो कभी अत्यधिक बारिश का दौरा लगाएँ आम हो गई है। देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले मानसून की चाल भी बदल रही है। जाहिर है, इससे कृषि पर विपरीत असर पड़ रहा है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का उत्पादन ही प्रभावित नहीं हो रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी कम हो रही है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं 'इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' ने जून 2021 में जारी चार हजार पन्नों की रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खतरों से अवगत कराया था। इसमें अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2050 तक आठ करोड़ से अधिक लोग भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं। अगर वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

इस चेतावनी को भविष्य की महज एक संभावना की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, वहीं इसका असर किसानों की आय में कमी और अनाज की बढ़ती

कीमतों के रूप में भी देखा जा रहा है।

कृषि की उत्पादकता बढ़ाने में उपजाऊ मृदा, जल, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव इत्यादि का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रत्येक फसल को तैयार होने के लिए एक उचित तापमान, वर्षा एवं आर्द्रता की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक मानक में भी परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। आने वाले दिनों में देश की बढ़ती आबादी में अलग-



अलग फसलों की मांग भी बढ़ेगी, मगर जलवायु परिवर्तन इस राह में मुश्किलें पैदा कर सकता है। लहाजा, देश की कृषि नीति को जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से निपटने के अनुकूल बनाना होगा और फसल उत्पादकता में सुधार तथा सुरक्षा जाल विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। वैज्ञानिक अध्ययनों के आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिसका सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा।

उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, वहां तापमान बढ़ने से इन

फसलों की खेती बाधित होगी, क्योंकि इन्हें ठंडक की जरूरत होती है। ठीक इसी तरह तापमान बढ़ने से मक्का, धान और ज्वार जैसी फसलों को नुकसान हो सकता है। इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता या कम बनता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव दुनिया भर में देखने को मिल रहा है, यह बात अलग है कि इसका असर कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। तापमान में वृद्धि से वर्षा का क्रम धीमा पड़ता है और मिट्टी की नमी कम हो जाती है। ऐसे में सूखे की संभावना भी बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। इसके अलावा वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ने से अनाज में

प्रोटीन, जंक और आयरन जैसे पोषक तत्वों का स्तर कम हो रहा है। गर्म जलवायु कीट-पतंगों की जननन क्षमता को बढ़ाती है, जिससे खेतों में कीटों और रोगाणुओं का हमला तेज होता है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिस कारण बाढ़, सूखा और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि भारत में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी भी प्रभावित हो रही है।

आने वाले वर्षों में बढ़ते तापमान की वजह से देश

में कृषि पर संकट गहरा सकता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अभी से कृषि नीति में सुधार पर काम शुरू करना होगा, ताकि किसानों का पारंपरिक कृषि से मोहभंग न हो।

जलवायु परिवर्तन किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए वैश्विक स्तर पर ठोस उपायों की जरूरत है। यह न केवल कृषि के लिए, बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए एक बड़ा खतरा है। कोई भी देश इसके प्रभाव से बच नहीं सकता। विकास की आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश जनसंख्या की आजीविका का मुख्य आधार आज भी कृषि ही है।

यदि तापमान में इसी तरह बढ़ोतरी होती रही, तो कृषि पर दिन-प्रतिदिन दबाव बढ़ता जाएगा, जिससे बड़ी आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी की पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य ही अधूरा रह सकता है। उल्लेखनीय है कि देश में पिछले चालीस वर्षों से बारिश की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के शुरू में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घटकर 119 सेंटीमीटर रह गई है।

गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों का जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। भारत के यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि यहां 70 फीसद से अधिक लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी बढ़कर साढ़े नौ अरब से ज्यादा हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा अनाज पैदा करना होगा।

संक्षिप्त

समाचार

डूंगतस्करी में अमेरिकी सेना की बड़ी कार्रवाई, संदिग्ध नाव को बनाया निशाना

विश्वभारत, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी एक संदिग्ध नौका पर हमला कर दिया जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई लैटिन अमेरिका में कथित मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के तत्वाधीन अभियान का हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन द्वारा नौका रॉटरस्ट के देह जाने वाले लोगों को निशाना बनाकर करीब एक साल पहले शुरू किए गए सैन्य अभियान के तहत नौकाओं पर किए गए 69 हमलों में अब तक कम से कम 231 लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी दक्षिणी अमेरिका में कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरेबियाई सागर में पहले की ज्यादातर सैन्य कार्रवाइयों की तरह इस बार भी मादक पदार्थों की तस्करी के लिए इस्तेमाल होने वाले ज्ञात मार्ग पर कथित तस्करी को निशाना बनाया गया। हालांकि, सेना ने यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया कि नौका में मादक पदार्थ ले जा जा रहे थे। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी कार्रवाई लैटिन अमेरिका में मादक पदार्थों के साथ सशस्त्र संघर्ष में है। उन्होंने इन हमलों को अमेरिकी में मादक पदार्थों की आमद रोकने और मादक पदार्थों की अत्यधिक मात्रा लेने से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई बताया है।

अमेरिका जो आरोप लगा रहा, उसकी शुरुआत उसने खुद की

तेहरान, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की उच्चस्तरीय बैठक से ठीक पहले ईरान और



अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। ईरान ने शनिवार को ह्वाइट हाउस पर तीखा पत्रकार किया। ईरान ने कहा कि उस पर लगाया जा रहे ज्यादातर आरोप असल में उन कदमों को दर्शाते हैं, जिन्हें खुद अमेरिका ने शुरू किया, अंजाम दिया या फिर उनका समर्थन किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता स्पाइडल बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह बात कही। उन्होंने यह प्रतिक्रिया ह्वाइट हाउस की तरफ से दी गई पर लगाए गए आरोपों की एक लंबी सूची के जवाब में दी। इसमिडल बघाई ने कहा कि ह्वाइट हाउस के प्रवक्ता ने ईरान के खिलाफ आरोपों की एक लंबी कैलिस्टर जारी की है। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकतर आरोप सीधे तौर पर उन कामों से मेल खाते हैं, जो खुद अमेरिका ने शुरू किए, अंजाम दिया या जिनका समर्थन किया है। बघाई ने इससे सच्चाई से भागना और अपनी गलतियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ना बताया और कहा कि इसमें कोई हेरानी की बात नहीं है। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बघाई ने न्यूयॉर्क जाने वाले ईरानी अधिकारियों को भी सतर्क किया है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान इस बात का पूरा खयाल रखना होगा कि कोई ऐसा संकेत न जाए, जिसे दुश्मन देश ईरान की कमजोरी मान लें। प्रवक्ता ने यह भी साफ किया कि न्यूयॉर्क की यात्रा ईरानी अधिकारियों के लिए किसी भी तरह से आकर्षण का केंद्र नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेना ईरान का अधिकार है और वे इस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। ईरान इस समूह का उपयोग अपने देश के लोगों के न्याय की आवाज को पूरी मजबूती से उठाने के लिए करेगा। इससे पहले, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगांट ने न्यूयॉर्क दौरे को लेकर ईरानी अधिकारियों पर टिप्पणी की थी। पिगांट ने 'एक्स' पर आरोप लगाया था कि ईरानी अधिकारी संयुक्त राष्ट्र यात्रा का इस्तेमाल महंगे और लज्जती सामानों की खरीदारी के लिए करना चाहते हैं। पिगांट ने कहा कि वे ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईरानी अधिकारी अपने देश की जनता की परेशानियों और दुखों से मिले पैसों से यह खरीदारी कर सकते हैं। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने के लिए ईरान के मुख्य प्रतिनिधिमंडल को वीजा की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही अमेरिका ने यह भी कहा है कि इस प्रतिनिधिमंडल पर यात्रा से जुड़ी पाबंदियां रहेंगी और लज्जती या अन्य सामान खरीदने पर रोक लागू रहेगी। रिपब्लिकन के अनुसार, न्यूयॉर्क जाने वाले ईरान के इस प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकिन और विदेश मंत्री अब्बास आरघावी शामिल हैं।

देश-विदेश

**पाकिस्तान में 2 नाबालिग हिंदू बहनों का अपहरण;
जबरन धर्म परिवर्तन के बाद कराया निकाह**



जबन इस्लाम धर्म कबूल कराया गया। परिवार के मुताबिक, दोनों का कथित तौर पर अमदद सोलंगी और मंसूर सोलंगी नाम के दो मुस्लिम पुरुषों से निकाह कराया गया। मामला अदालत तक पहुँचा, लेकिन अदालत ने दोनों बच्चियों को तत्काल परिवार के हवाले करने के बजाय सुस्थिति गृह भेजने का आदेश दिया। अधिकार संगठन कहा कि अल्लाहवा परेशान अपने प लगवाती 13 वीं गई और

रिपोर्टों का हवाला देते हुए दोनों बहनों को टांडो की अदालत में पेश किया गया। अदालत के बाहर दोनों काफी तरा आई और कथित तौर पर वहाँ के पास लौटने की गुहार मारी। वीओपीएम के अनुसार, बच्ची रोते-रोते बेहोश हो से अस्पताल ले जाया पड़ा।

शॉपिंग की रसीदें संभालने वाले सावधान: घट सकती बच्चे पैदा करने की क्षमता, जानें कैसे पड़ता है सेहत पर असर



न्यूयार्क, एंजेसी। खरीदारी के बाद मिलने वाली कागजी रसीद को अमतौर पर लोग सामान की वापसी या बदलाव के लिए सभलकर रखते हैं। लेकिन थर्मल पेपर से बनी कुछ रसीदों में इस्तेमाल होने वाले बिस्फेनॉल-एस (बीपीएस) नामक रसायन को लेकर स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं सामने आई हैं। शोध में इस रसायन के त्वचा के संपर्क में आने और शरीर में पहुंचने तथा हार्मोन और प्रजनन स्वास्थ्य पर संभावित प्रभावों का अध्ययन किया गया है। थर्मल पेपर पर लिखाई या छपाई को उभारने के लिए विशेष रासायनिक परत का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ रसीदों में बीपीएस का उपयोग किया जाता है। यह बीपीएस का विकास है। बीपीए और बीपीएस दोनों बिस्फेनॉल रसायनों के समूह

से संबंधित हैं। इनका इस्तेमाल अलग-अलग उपभोक्ता उत्पादों में किया जाता रहा है। 2021 में जल ऑफ हैजडस मेटेरियल्स में प्रकाशित एक अध्ययन में कैलिफोर्निया में इस्तेमाल होने वाली कुछ रसीदों की जांच की गई थी। अध्ययन में पाया गया कि कुछ रसीदों में बीपीएस की मात्रा इतनी अधिक थी कि थोड़े समय तक रसीद छूने के बाद भी त्वचा के जरिए रसायन के संपर्क में आने की संभावना थी। हालांकि, इस्का यह अर्थ नहीं है कि हर कागजी रसीद खतरनाक है क्योंकि इससे रसायन किसी व्यक्ति की प्रजनन क्षमता निश्चित रूप से कम हो जा सकती। जोखिम रसायन की मात्रा, संपर्क की अवधि और व्यक्ति के कुल संपर्क जैसे कई कारकों पर निर्भर कर सकता है। बीपीएस को लेकर किए गए शोध में हार्मोन में बदलाव और प्रजनन स्वास्थ्य पर संभावित प्रभावों की जांच की गई है। कुछ अध्ययनों में इसे शुक्राणुओं की संख्या में कमी सहित कई स्वास्थ्य प्रभावों से जोड़ा गया है। कैलिफोर्निया में 2023 में विकासात्मक और प्रजनन विषाक्तता की पहचान से जुड़ी समस्या में बीपीएस को प्रजनन विषाक्त पदार्थों की सूची में शामिल किया था। विशेष चिंता उन लोगों को लेकर जाता है जो रोजाना बड़ी संख्या में थर्मल रसीदों को कांभालते हैं। दुकानों और अन्य खुदरा प्रतिष्ठानों के कर्मचारी दिनभर ग्राहकों के रसीद देते हैं, जिससे उनका संपर्क सामान्य श्रावक की तुलना में काफी अधिक हो सकता है। विशेषज्ञों ने ऐसे कर्मचारियों के लिए संपर्क कम करने, जहां संभव हो वहां डिजिटल रसीद का इस्तेमाल करने और उचित सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है।

नासा अधिकारी ने की इसरो की तारीफ, बोले- भारत की अंतरिक्ष क्षमता अविश्वसनीय

न्यूयार्क, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष सहयोग को लेकर नासा के भारतीय-अमेरिकी वरिष्ठ अधिकारी अमित क्षत्रिय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बीच पहले से ही असाधारण साझेदारी है और आने वाले समय में दोनों संस्थानों के बीच सहयोग और बढ़ने की उम्मीद है। नासा के सहायक प्रशासक और मुख्य अभियंता अमित क्षत्रिय ने न्यूयार्क में प्रेसिडेंट इंद्रीफिड म्यूजियम में 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा कि विज्ञान अभियानों के साथ-साथ मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में इसरो जिस क्षमता का विकास कर रहा है, उसे देखना बेहद महत्वपूर्ण है। अमित क्षत्रिय ने नासा और इसरो की संयुक्त परियोजना निसार का भी उल्लेख किया। निसार यानी नासा-इसरो सिंथेटिक एपेंचर रडार मिशन पृथ्वी का अध्ययन करने वाला उपग्रह है, जिसे जुलाई 2025 में प्रक्षेपित किया गया था। इस मिशन का उद्देश्य पृथ्वी की भूमि, बर्फ, जल और वनस्पतियों में होने वाले बदलावों को मापना और उन्हें बेहतर ढंग से समझना है। क्षत्रिय ने कहा कि निसार पहल को दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से काफी लाभ मिला है। क्षत्रिय ने कहा कि नासा मानव अंतरिक्ष अभियानों सहित कई अभियानों में अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के जरिए काम करता है। काम करने में मिले अनुभवों और सीख को भी साझा किया जाता है। उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अमेरिका के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में नेतृत्व करना महत्वपूर्ण है, लेकिन यह नेतृत्व साझा मूल्यों और मानकों के आधार पर होना चाहिए। अमित क्षत्रिय ने कहा कि भारत उन 70 से अधिक देशों में शामिल है, जिन्होंने अंटार्कटिमा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह नागरिक अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों का समूह है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण और जिम्मेदार अन्वेषण के लिए साझा प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाना है, जिसमें देशों की संप्रभुता और मूल्यों का सम्मान शामिल है। कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन भी आईएसओ-4 मिशन में भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शर्मा के साथ काम करने का अनुभव साझा किया।



मक्का समझौते पर सवाल: हूती लड़ाकों की पाकिस्तान-तुर्किये को धमकी- सऊदी अरब का साथ दिया तो अंजाम भुगतना होगा

इस्लामाबाद, एजेसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने पाकिस्तान और तुर्किये को सीधी चेतावनी दी है। हूतियों ने कहा है कि अगर इन दोनों देशों ने यमन में सऊदी अरब के साथ मिलकर कोई सैन्य दखल दिया, तो उन्हें इसका कड़ा जवाब मिलेगा। यह चेतावनी सऊदी अरब पर हूतीयों के नए हमलों के बीच सामने आई है। हूतियों (असगर अल्लाह) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और धमार् के गवर्नर मोहम्मद अल-बुथैती ने एक टेलीवी टीवी कार्यक्रम 'अन्दर रीफिंग' में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान और तुर्किये इसमें शामिल होते हैं, तो वे उन पर पूरी ताकत से बार करेंगे और दोनों देशों को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वे याद रखेंगे।

अल-बुख्ती ने यह भी माना कि पाकिस्तान और तुर्कियों की आम जनता के दिलों में यूनन के लिए गहरी हمدर्दी है। उन्होंने साफ किया कि उनकी यह चेतावनी वहां के लोगों के लिए नहीं बल्कि दोनों देशों की सरकारों के लिए है। अगर वे सैन्य रूप से सऊदी अरब का साथ देती हैं। हूतियों की इस धमकी के बाद 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' की चर्चा तेज हो गई है। तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने इसी साल थत अगस्त को इस रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसका मकसद बढ़ती क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच साझी जिम्मेदारी और सुरक्षा को मजबूत करना है। समझौते की शर्त के मुताबिक, किसी भी एक सदस्य देश पर हमला सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा। हालांकि इस बीच तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने सऊदी अरब की संप्रभुता पर मंडाते खतरे को लेकर एफजूनैटा जताई है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब को सैन्य स्तर पर सहयोग की जरूरत पड़ सकती है। मक्का



गठबंधन के तहत वे पाकिस्तान से बातचीत करेंगे और जरूरी तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने सहित हैं। पिछाना में मक्का के पास तेले टिकानों पर हुए हमलों की भी कड़ी निंदा भी की है।

यमन में यह युद्ध 2014 से चल रहा है, जब हूतियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में अंतरराष्ट्रीय संस्था पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार के समर्थन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने दखल दिया था। इस सलाह जूलाई से हूतियों ने रियाद पर समुद्री नाकेबंदी का एलान किया है और लाल सागर तट व बाब अल-मंडेब जलसमूहमध्य में बढ़त बनाने का दावा किया है। हूतियों ने सऊदी अरब के तेले टिकानों की भी निशाना बनाया है, जिससे दुनिया भर में कच्चे तेले की कीमतों को लेकर चिंता बढ़

ग है। पाकिस्तान ने शुरू से ही सकुड़ी अरब पर हमलों का विरोध किया है और इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में भी उठाया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि मक्का और मदीना की रक्षा करना उनके लिए 'शाहजत समझौता' और 'धार्मिक फर्ज' है। उन्होंने कहा कि पवित्र स्थानों की सुरक्षा किसी भी कागजी समझौते से बढ़कर है। वहीं पाकिस्तानी सेना का मीडिया शाखा (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने भी सकुड़ी अरब के प्रति पाकिस्तान के 'बिना शर्त' समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा कि सकुड़ी अरब और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

इलाज तक सबकी पहुंच नहीं: डॉक्टर तो बढ़े लेकिन हर 4 में 1 रिटायरमेंट के करीब, अमीर-गरीब देशों में बड़ी खाई

जिनेवा, एप्रैसी। दुनियाभर में स्वास्थ्यकरमियों की संख्या तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसका फायदा सभी देशों और आबादी को समान रूप से नहीं मिल रहा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की नई रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो दशकों में स्वास्थ्यकरमियों की उपलब्धता बढ़ने के बावजूद अमीर और गरीब देशों के बीच बड़ा अंतर कायम है। इसके साथ ही डॉक्टरों की बढ़ती उम्र आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नई चुनौती बन सकती है। हर चार में से एक डॉक्टर रिटायरमेंट के करीब खड़ा है। दुनिया में करीब 25 डॉक्टर 55 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। यानी लगभग हर चार में से एक डॉक्टर आने वाले वर्षों में सेवानिवृत्ति के उम्र के करीब पहुंच रहा है। उच्च आय वाले देशों में स्थिति और गंभीर है। वहां करीब 33 डॉक्टर 55 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। अनुभवी डॉक्टरों के बड़ी संख्या में कार्यबल से बाहर होने से नए दबाव पैदा हो सकते हैं। नेशनल हेल्थ एकेडमी से एकाउंट्स रिपोर्ट के मुताबिक, जिन देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था के पास प्रशिक्षण और रोजगार के लिए कम संसाधन हैं, वहां डॉक्टरों और नर्सों की कमी ज्यादा गंभीर बनी हुई है। डॉक्टर, नर्स, दाई, दंत चिकित्सक और फार्मासिस्ट सहित स्वास्थ्य एवं देखभाल क्षेत्र में काम करने वालों की वैश्विक संख्या अब 7 करोड़ से अधिक हो चुकी है। हालांकि, वृद्धि सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। क्षेत्रीय असमानता का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि यूरोपीय क्षेत्र में डॉक्टरों का घनत्व अफ्रीकी क्षेत्र की तुलना में करीब 13 गुना अधिक है। नर्सों और दाइयों की उपलब्धता भी यूरोप में अफ्रीकी क्षेत्र से करीब 6 गुना ज्यादा है।



नाहिद इस्लाम ने बांग्लादेश में कराया हसीना का तख्तापलट, अब तारिक रहमान को दी कुर्सी की धमकी

ढाका, एर्जसी। बांग्लादेश में शंख हसीना की 15 साल पुरानी हुकूमत को उखाड़ फेंकने वाले छात्र आंदोलन के प्रमुख चहरे और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने अब देश की नई सत्ता को भी चेतावनी दे दी है। नाहिद ने दो-टुक कहा है कि अगर नई सत्ता भीकर जनता की बुनियादी हजूरतें पूरी नहीं कर पाई, तो उसे भी सत्ता से बेदखल कर दिया जाएगा।

नाहिद इस्लाम ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि सत्ता में बदलाव केवल चेहरों का नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम जनता को बिजली, साफ पानी, पक्की सड़कें, बेहतर स्वास्थ्य-अस्पताल सेवाएँ, सस्ती शिक्षा और महँगे सड़े रहत जैसी बुनियादी सुविधाएँ तुरंत मिलनी चाहिए। नाहिद ने आगाह किया कि अगर नई हुकूमत भी जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उठती, तो हम एक बार फिर सड़कों पर उतरेंगे और इस सरकार को भी पिछली सरकार को तरह बाहरी सत्ता दिया जाएगा।

आंदोलन के सबसे बड़े नायक बनकर उभरे नाहिद



गौरतलब है कि इससे पहले बांग्लादेश के बड़े राजनीतिक उथल-पुथल के केंद्र में नाहिद इस्लाम रहे थे। उनके नेतृत्व में ही छात्रों का गुस्सा सड़कों पर फूटा, जिसके दबाव में आकर प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर मुल्क छोड़ना पड़ा। इस आंदोलन के दौरान नाहिद को दमन

का भी सामना करना पड़ा था। आंदोलन के दौरान 20 जुलाई को सुबह उठते-ते पुलिस पर खुद को गैर-कानूनी तरीके से उठा कर का आरोप लगाया था। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने ऐसी किसी भी कार्रवाई से इनकार किया। उसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें पुलिसकर्मी उन्हें एक गाड़ी में बैठाते दिख रहे थे। इस घटना के लगभग 24 घंटे बाद नाहिद एक पुल के नीचे अचेत मिले। नाहिद ने बताया कि पुलिस ने उन्हें इतनी बेहमी से पीटा था कि वे अपनी सुध-बुध खो बैठे थे। नाहिद से पहले उनके दो करीबी साथियों— आसिफ महमूद और अबू बकर को भी 19 जुलाई को पकड़ा गया था। करीब छह दिनों तक कैद में रखने के बाद उनका आँखों पर पट्टी बांधकर उन्हें एक सुनसान इलाके में फेंक दिया गया। घायल होने के बादवा ये सभी एक अस्पताल में अपना इलाज करवा रहे थे। लेकिन 26 जुलाई को पुलिस ने अस्पताल से ही इन्हें फिर से पकड़ लिया। पुलिस का तर्क था कि यह कदम छात्रों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है।

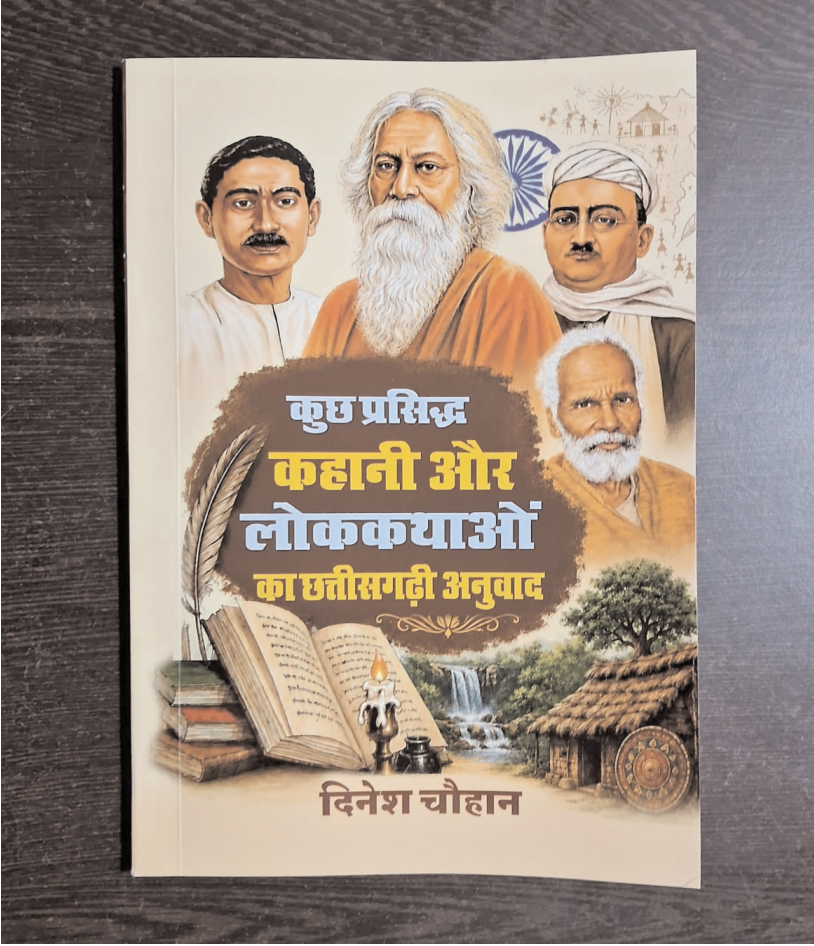
समिच्छा : छत्तीसगढ़ी अनुवाद – दिनेश चौहान



कुछ प्रसिद्ध कहानी और लोककथाओं का छत्तीसगढ़ीअनुवाद- लेखक दिनेश चौहान जी ह सुग्घर अऊ सारेसार अनवाद करे हावय द्वाद रामकृष्ण अऊ महतारी अगास तास्रकार वीणा के मया संग निशांत के सहयोग संजोग मं सुग्घर प्रयास सफ़ा हावय । अगासदिया भिलई के सम्मान,साहू समाज गौरव सम्मान गरियाबंद संग कतकोन के सन्मान पावत हावय ।शब्दकोश के निर्माण जारी हावय।

डॉ परदेशी राम वर्मा अपन आशीष मं लिखथय- दिनेश हिन्दी और छत्तीसगढ़ी के समर्थ रचनाकार और जानकार हैं। हिन्दी भाषा को शिक्षा के माध्यम के रूप में पाकर हम छत्तीसगढ़ अंचल के लेखक उसमें सिद्ध पाते हैं। छत्तीसगढ़ी हमारी दुदुदाई की भाषा है। अर्थात मातृभाषा है। पहली बार बच्चा पढ़ने पर जिस भाषा में बच्चा बोलता है वही उसकी मातृभाषा होती है। इसीलिए इस अनुवाद के लिए चुनी गई संग्रह में समाहित रचनाओं को पढ़ कर पाठक को ये रचनाएं छत्तीसगढ़ी में रचित जान पड़ेगी। अनुवादक की अनुवाद - प्रवीणता का यह कमाल होता है कि अनुदित रचना भी मूल लगे।

अनुवादक की कलम से... दिनेश चौहान राजिम लिखथय- अनुवादक की सही और मान्य परिभाषा क्या है यह तो मैं नहीं जानता,पर इतना जरूर जानता हूँ कि अनुवाद के लिए एक अनुवादक को दो भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना जरूरी होता है। एक तो वह भाषा जिसमें मूल साहित्य रचा गया है और दूसरी वह भाषा जिसमें मूल साहित्य का अनुवाद किया जाना है। हिन्दी और छत्तीसगढ़ी जानने की यह शर्त मैं पूरी करता हूँ। बस इसी योग्यता से मैंने हिन्दी से छत्तीसगढ़ी अनुवाद का काम हाथ में लिया। कुछ अनुवाद अखबारों के साहित्य परिशिष्ट



में प्रकाशित हुए और सराहे गए।व्ही अनुदित कहानियों और लोककथाओं को संग्रहित कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने का मेरा यह छोटा सा प्रयास है।

प्रसिद्ध कहानियां मं लिखथय- इदगा,वोहर केहे रहिस,हार के जीत,बजार मं रामधन,देस ला जुड़ धर लेहे,काबलीवाला।अऊ प्रसिद्ध लोककथाएं मं लिखथय- अलादीन के जादूवाला चिमनी, गुलिवर के यात्रा, एकता के ताकत,बदक अऊ हंस,बघवा अऊ मुसवा,सात बौना, खरगोश अऊ केछवा, राजा के नवा पोसाग।ऐ मन सामिल हावय अऊ ओरी पारी बनेच फ़मत घला हावय।

पृष्ठ 11 मं शीर्षक: इदगा
रमजान के पूरा तीस रोजा के बाद ईद आये है।कतेक सुग्घर कतेक सोहई बिहान हे। आज के सुरुज देखव, कतेक पियारा,कतेक जूड़ हे,मानो दुनिया ला ईद के बधई देवत होय। गांव मं कतेक चहल-पहल हे। इदगा भांख जाये के तियारी होवत हे।काखरो कुरता मा बटन नई हे,परोसी घर

सुई धागा लाने बर दइत हे। काखरो पनही कइकइहा हो गए हे ओमा तेल डारे बर परोसी घर मांगत हे।झप झप बईला मन ला पानी दे दन इदगा भांख ले लहुटत लहुटत ले मंझनिया हो जही।

हामिद के पांव म पनही नई हे।मूड़ म जुनवा पुराना टोपी हे जेकर गोटा करिया गे हे,तभो ले वो मगन हे।अभागिन अमीना अपन कुरिया म बईटे रोवत हे।आज ईद के दिन आय अऊ ओकर घर म अन्न के एक दाना नई हे।इसी अधियारी अऊ निरासा म इबू जात हे।कोन बलइस हे ये दुखाही ईद ल।

पृष्ठ 19 म शीर्षक : वोहर केहे रहिस
अइसन बम्बू कारड वाला मन के बीच ले नाहक के एक झन दूरा अऊ एक झन दूरी चंऊक के दुकान मेर आके मिलिन।ंकर चूंदी अऊ अलछा पयजामा ले जनात रहिस के दूनों सिक्ख आय।वो ह अपन ममा के केस धोय बर दही लेय बर आय रहिस अऊ ये ह रांधे बर बरी ले बर। दुकानदार एक झिन परदेसिहा संग ओरझत रहिस,जऊन सेर भर गिल्ला पापड़ के गड्डी ल बिगन गिने हटते



नई राहय।

पृष्ठ 34 मं शीर्षक: हार के जीत
महतारी ल अपन बेटा अऊ किसान ल अपन लहलहावत फसल ल देख के जेन खुशी होथय उही खुशी बवा भारती ल अपन घोड़ा ल देख के होवय।भजन भाव ले जेन समे बांचे तेन ह घोड़ा ल अरपन हो जाय। घोड़ा बड़ सुग्घर अऊ बलवान रहिस।ओखर जोड़ के घोड़ा अतराप मं नइ रहिस।बवा भारती ओला सुल्तान कहिके हुत कराय।अपन सवांगे ओखर जतन करय,खवाय पियाय अऊ वोला देख देखके बड़ खुश होवय।उन ह रुपया पइसा, जमीन जहिजाद,धन दौलत सब छोड़ दे रहिस।इहां तक के गांव के जिनगी ले चलो नफ़्त हो गे रहिस।अभ गांव ले बाहिर छोटकुन मंदिर मं राहय अऊ भगवान के भजन करय।

पृष्ठ 55 मं शीर्षक:देस ल जूड़ धर ले हे
एक दिन का होइस बघवा हर एक ठी बड़ेज्जान बड़ला के सिकार करिस।ओला खा अघा के गुड़ी मं आके बइठ गे।धोरकिन मं पान पतई चरत बैलबेलावत ऊंट आगे।सूँरा अपन थोथना घसरत बिंचियावत पहुंच गे।भाचत कूदत खरगोश घलो संघर गे।ग़ाप सझका सुरु होय एखर पहिली बघवा डेरी बाजू, मुँहू करके बड़ जोर के डकार मारिस।डकार के भभका ऊंट के मुँहू मं परिस। ऊंट ल अपन मुँह तिरयाना परगे।थेला बघवा देख डरिस।पूछिस,कस रे

ऊंट,तेंहा मुँहू ल काबर तिरिया देस रे ?

पृष्ठ 64 मं शीर्षक: अलादीन के जादूवाला चिमनी
तइहा समे के बात हरे।अलादीन नांव के एक लइका अपन विधवा महतारी संग राहय। एक दिन एक बहुत धनवान आदमी उहां आइस अउ वो ह अपन आप ल अलादीन के कका बताइस।वोहा बहुत दिलदार रहिस।वो ह अलादीन बर अच्छा अच्छा कपड़ा लता अउ खाना के बेवस्था करिस।वो ह चाहत रहिस के अलादीन ओखर संग काम करय। अलादीन के दाई एखर बर राजी हो गे।वो ह सोचिस के कका ह अपन भतीजा के अच्छा हियाव करही।

पृष्ठ 67 मं शीर्षक: गुलिवर के यात्रा
बहुत जुन्ना बात आय।ग़ुलिवर अउ ओखर संगी मन दक्षिणी महासागर के समुद्री यात्रा मं निकलिस।रस्ता मं एक तुफ़ान मं ऊंखर जहाज टूट के तहस नहस होगे। जहाज के कसान अउ जम्मो संगी साथी मन समुंदर मं बूड़ के मर गिन।सिरिफ गुलिवर भर बांच गे।समुंदर के पानी मं गुलिवर ल बहुत तकलीफ़झोले बर परिस।वोहा लहरा के उल्टा तउरे लगिस।तउरथ तउरत वो एक अइसे दीप मं पहुंच गे।जिहां कोनो मनखे न राहय।कई दिन के थके मादे होय के सेती गुलिवर ल नींद आगे।

पृष्ठ 70 मं शीर्षक: एकता के ताकत
एक बार के बात हरय।हू कुकरा ककरी

रहिन दूनों एक दूसर ल बहुत मया करय।एक दिन कुकरी ह कुकरा ल कोनो कोति घूमे ल जाय के बात कहिस।कुकरा घलो राजी होगे।कुकरी सोचे लगिस जाय के बात तो तय होगे,फेर जाबो कामा?ओखर मन मं एक विचार आइस। वो ह चार चक्का वाला रथ बनाइस अउ वोला खींचे बर चार ठी मुसुवा फंद दिस।

पृष्ठ 84 मं शीर्षक:राजा के नवा पोसाग
बहुत समे पहिली एक राज मं एक राजा रहिस।वोहा नवा नवा कपड़ा पहिरे के बहुत सउख राहय।तेखरे सेती अपन जम्मो पइसा ल कपड़ा लता मं खरचा कर डारय।एक दिन राजा के दरबार मं दू झिन धोखाबाज बुनकर मन आइन।वोमन राजा ले बोलिन के हमन बढिया कपड़ा बनाथन।अइसे कपड़ा जेन सिरिफ ईमानदार मनखे ल दिखथे,बड़मान ल नइ दिखय।

दिनेश चौहान के किताब,कुछ प्रसिद्ध कहानी और लोककथाओं का छत्तीसगढ़ी अनुवाद बहुतेच सुग्घर हावय। चर्चित चित्रकार अऊ लेखक संग पाठक, अनुवादक घला हावय।बालहंस,लोटपोट बाल चित्रकथा राष्ट्रीय पत्रिका मं अऊ अखबार मन मं लिखथय- छपथय घला।ऐ बेरा मं बड़का नामी कवि साहित्यकार घला हावय। किताब बर सोला आना बधई खचित पठेवत हावय।

राजा राम रसिक
मो : 7647900477

हरियर मोर सावन के तीजा तिहार

हरियर हे बूंद ओस
आय सावन पियारा !
भुईया गये परेम गीत
झूमय जग सारा !!

रिमझिम पुहार मं महेके
माटी के मुसकान !
डारा डारा मं गूंजय
जिनगी के सुग्घर गान !!

सुहागिन के मन सजे
सपना के सिंगार !
मेंहदी लगावत सखी लिखे
साजन के पियार !!

हरियर चूरी के आरो सुने
सुग्घर मिलऊनी बात !
बिंदी सिंदूर माला मं
सिंगारित जीवन रात !!

झुला बांधे अमरईया मं
सखी सहेली के उजास !
कजरी मं बोहात जाय
मन के सुग्घर मिठास !!

बूंद बूंद मं आसा मिले
पल पल मं तिहार !
पिय लंबा बछर जिये
इही अंतस के सार !!

आशा साहू (आशा दीप)
स्वरचित कविता

आमा के अथान

आमा के अथान ह संगी
सबके मन ला भाये ,
का बुढ़वा का लैका सियान
सब चाट-चाट के खाय ।
जेकर नाम सुने ले आथे
सबके मुह म पानी ,
भात म खाये सबझन एला
हेर के चानी-चानी ।
सरसों जीरा नून मिर्चा ह
स्वाद एकर बड़हाय ,
सौंप करात मेथी धनिया के
खुशब बहुत सुहाय ।
रमकेलिया कोचाई जीमीकांदा
के साग म आथे काम ,
मछरी साग घलो बिन एखर
हो जथे बदनाम ।
जब-जब भाई गांव गवई म
गरमी के दिन आथे ,
बिन साग के बासी ल सब
आमा अथान म खाथे ।

विजय कुमार कोसले
ग्राम- नाचनपाली
सारांगढ़ बिलईगढ़

मटक -मटक के तैं झन रे इतरा

मटक –मटक के तैं झन रे इतरा,
जांगर चोढ़ा तैं बने मीठ लबरा ।

चाल बदल गये तोर संग में खतरा,
माटी के करजा तैं झन बन पथरा ।

जोश में अपन बोली बचन सुथार,
करजा बोड़ी करे बहुत तैं ग उधार ।

धन दौलत बिकना जिदगी लाचार,
बिखर जाही गा तोर घर परिवार ।

आंखी म देख तैं काबर अंधरा के मार
घर दुवार तोर बिखरे हे जिदगी बेकार ।

दुनियां में देख के समझना चलना सार,
मेहनत म रोजी-रोटी से चलही परिवार ।

दु:ख के पीरा हर जाही समय अनुसार,
आही बुढ़ापा में खुसि रहय घर संसार ।

जीते जियत करम भाग मानी हमार,
सत गुन अघुवागे धरम होगे उजियार ।

ऋषि साव, **रायपुर छत्तीसगढ़**

जय हो गणेश

तोर जय होवय गणेश,
तोर जय होवय गणेश ।
पहिली पूजा तुँहर होथे
हरथस सब के कलेश.....
तोर जय होवय गणेश,तोर जय होवय गणेश ।

भुजा चार चतुर्भुज धारी,
खूब सोहय मुसुवा सवारी ।
बुद्धि ज्ञान के तही देवइय्या,
मंगलकारी दुख हरइय्या ।।
अरजी करत हँव हे गणनायक,मेठा देवे ते कलेश....
तोर जय होवय गणेश,तोर जय होवय गणेश ।

मोदक भोग तोला लगावँव,
देवव आशीष मुड़ी नवावँव ।
कछु नइ जानवँ मै अज्ञानी,
नोहँव बड़का मै हर धियानी ।
वाँछित फल मोला देके,हर लिहँव कलेश...
तोर जय होवय गणेश,तोर जय होवय गणेश ।

मोहित कुमार शर्मा
नगर पालिका परिषद अमलेश्वर दुर्ग
छत्तीसगढ़

पीयत हस बिधुन

धन हा खुवार होगे अब तो
शोरिक गुन रे ।
लोग लइका तनाना
पीयत हस बिधुन रे ।।

दरुहा संग मितानी म दारू
ह पीयाथे ।
मान सम्मान घटे नाक ह
खियाथे ।।
कुकुर कस हाल होगे चारों
मुड़ा घूम रे
सिरतोन म कहत हों ,बात
एक सियानी ।
दारू झन पीबे चाहे ,टूट
जाए मितानी ।।
खाय बर खपरा नइ हे ,तन
ल खादिस घून रे

भट्टी के चक्कर म बिक जाथे
घर कुरिया ।
धन हे तब लोरत हें ,उरके
म सबों दुरिहा ।।
चाऊंर तेल दार नइ हे ,नइ
हे लकड़ी छेना नून रे ...

घर अउ परिवार के सबके
बइरी दारू ।
नोहे ये लबारी मंतर ,मान
जा सुधारू ।।
चाल –चलन सुधार अऊ ,
बने रद्दा चुन रे ...

पी –पी के कतकों ला ,कर
डारे खुवार रे ।।
काही अभी बिगड़े नइ हे ,
करले सुधार रे ।।
जिनगी सवांर सुघर ,अब
तो थोरिक गुन रे

दूजराम साहू 'अनन्य '
निवास –भरदाकला
(खैरागढ़)
जिला- खैरागढ़
छुईखदान गंडई

मन के बात..

मोंगरा महका दे मोर घर दुवार ल,
घर में बइठे बर मयारू आय हे न ।
घर में सकलाय हे माई पिछा,
मन के बात कहे बर चिट्ठी लाय हे न ।।
ए रे गुलाब सबो फूल सकेल के,
माला बना के लाबे ।
तैं ह रे गुलाल फूल ओखर पाँव ल,
माहुर बन के सजाबे ।।
गोंदा ल कहि दे जुरमिल के सबो,
कमर के करधन बन जावै ।
सदा सोहागी चंदैनी गोंदा संग,
खोपा में माला बन लग जावै ।।
होंठ रंगे बर कुछ नइ लागय,वो पहिली ले पान खाके
आय हे न
मन के बात कहे बर चिट्ठी लाय हे न..
चल रे हवा ओखर तपत बदन के,
गरमी ल तैं जुड़ा दे ।
बहिनी ल कहि दे पालिस लगे पिढ़वा,
लान के आधू में मढ़ा दे ।।
पदीना पाना के शरबत घोर के,
करसी के पानी में मिला दे ।
शरबत पिये के बाद में ओला,
लौंग लाइची घलो खवा दे ।।
बइरी,बइरी दूनों घर के मनखे मन ल,इही मिलाय हे न..
मन के बात कहे बर चिट्ठी लाय हे न...
डॉ. राजेन्द्र पाटकर 'स्नेहिल'

मया गीत 5

खुल खुल हाँसथे चंदा,नजर लागे न,
देखे धनी दुनो जन ल,असर लागे न ।

सुकवा कस चमकथे माथा के टिकली,
बेनी के कीलप दिखे जोगनी तितली,
होगे रतिहा मगन मन,हमर लागे न ।

कीरिया पारय मया लेके हाथ ल धर,
झूमय लहकय जिवरा,संगी तोरेच बर,
सुख म बूड़े पिरित ह,अमर लागे न ।

कभु पैरी बाजय चूरी संगे खनकय,
सब्बो बात सुनय धनी जानय गुनय,
ऊज्जर हाँसी मतीना,लहर लागे न ।

चहके ददरिया मया म बूड़े तन,
हांका तोर दोहा कस झुमे उछले मन,
बउराए बखत भुलाएँव,पहर लागे न ।

डॉं गीता विश्वकर्मा 'नेह'
ग्राम/पोस्ट – कलंगपुर, जिला–बालोद
छत्तीसगढ़
पिन नं- 491223

ऐ बादर (तांटक छंद)

ऐ बादर घनघोर घटा तँय,
गरज गरज थम जाबे का।
धान बियासी के बेरा जी,
आही तहाँ लुकाबे का।।

कहूँ मेर हे सुक्खा भुइयाँ,
कहूँ कोश भर पानी हे।
तहाँ देख ले माटी के घर,
अउ गरीब के छानी हे।।
सावन के तँय धरे पिछोरी,
घोरन तहाँ मताबे का।
ऐ बादर घनघोरे घटा तँय,
गरज थम जाबे का।।

करिया काया रूप भयंकर,
देख मेचका आवे हे।
गिरे झमाझम पानी कहिके,
टरर– टरर टरबि हे।।
चकहा देखे जी आगास ला,
सबके आस बुलाबे का।
ऐ बादर घनघोर घटा तँय,
गरज गरज थम जाबे का।

बिजुरी कौंधे खूब डरावे,
गाय गरू बिचकाए हे।
लउठी धर के राउत कूदे,
एक ठिहँ सकलाए हे।।
चिरई चुरगुन सबो लुकाए,
राग मल्हारी गाबे का।
ऐ बादर घनघोर घटा तँय,
गरज गरज थम जाबे का।।

डा. आशा मेहर 'किरण'
रायगढ़ छत्तीसगढ़
9752627922

हमर संस्कृति

भिनसरहा घर मोहाटी ल
बहार के तो देख
गऊ माता बर दाना पानी ल
डार के तो देख ।
तोरे कोठी लबलबाही घर म
लक्ष्मी अमाही
संज्ञा तुलसी चँवरा म
दीया ल बार के देख ।

चईत मा महामाई मा
जंवारा बोआये हे
येती अक्की के लगिन
घलो हा लकठीयाये हे ।
जेठ मा चिरई चिरगुन मन
पियास झन मरंय
मोरे बबा नांदी पोरा मा
पानी मढ़ाये हे ।

राजिम म सोंदूर पैरी
महानदी के धार
बइठे बम्लाई डोंगरगढ़ के
सजे पहाड़ ।
शिवरी खल्लरी भोरम
रतनपुर मल्हार
राम के ममा गांव ल
बेरी धेरी हे जोहार ।

किशोर तिवारी

ऐ देख, तोर संसार ल

ऐ देख, तोर संसार ल,
अपने अपन म मरगे।
कोनों जलन म मरगे,
कोनों टशन म मरगे।
काला बतावँव तोला,
अपने अपन म मरगे।

कोनों आगी म जरगे,
कोनों माटी म गड़गे।
कोनों सागर म डुबगे,
कोनों पहाड़ म टंगगे।
ऐ देख, तोर संसार ल,
अपने अपन म मरगे।
कोनों कसम म पड़गे,
कोनों करम म चलगे।
कोनों भोजन म गड़गे,
कोनों भजन म तरगे।
ऐ देख, तोर संसार ल,
अपने अपन म मरगे।

कोनों पइसा म अड़गे,
कोनों भइसा म चढ़गे।
कोनों लालच म पड़गे,
कोनों कागज् म बनगे।
ऐ देख, तोर संसार ल,
अपने अपन म मरगे।

तामेश साहू
रायपुर छत्तीसगढ़

बेटा बेटी एके समान

सिरतोन ल सम्भरावव जी
छरकई ल अब भगावव जी
सब्बो झन अब आवव जी
जम्मो ल अब अपनावव जी

बेटा बेटी हे एकेसमान जी
काबर हो एसे अनजान जी
ए सोच ल अब उठावव जी
जम्मो ल अब अपनावव जी
सोए ले पहली उठौ संगी
झन रखव मया के तंगी
मया दया ल समझावव जी
जम्मो ल अब अपनावव जी

मन में अब भुर्री बारव
जग ल पर के भरम उतारने
अँधियारी में सुरुज लावव जी
जम्मो ल अब अपनावव जी
लिलम बघेल 'आतिश'
कक्षा 12 वीं

शाहरुख की King में हुई हनुमान अंश एक्टर की एंट्री



इस वक्त सिनेमाघरों में फिल्म हनुमान अंश दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करती हुई नजर आ रही है। नीम करोली बाबा की बायोपिक इस फिल्म की कहानी और कास्ट की कमाल की एक्टिंग की हर कोई तारीफ कर रहा है। अब खबर आ रही है कि हनुमान अंश के एक अभिनेता के हाथ शाह रुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग लग गई है। ऐसे में आइए जानते हैं कि हनुमान अंश का वह कौन सा कलाकार है, जो आने वाले समय में शाह रुख की मोस्ट अवेटेड मूवी किंग में अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ने हुए नजर आएगा।

लंबे समय से शाह रुख खान स्टार फिल्म किंग की चर्चा चल रही है। पठान और वॉर जैसी सफल मूवीज बनाने वाले निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी किंग की कास्ट को लेकर अब लेटेस्ट अपडेट सामने आया है। दरअसल हनुमान अंश फिल्म में डॉ. राम नंदन भोसले का किरदार निभाने वाले अभिनेता चंदन के. आनंद ने इस बात की पुष्टि की है कि वह किंग फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। चंदन ने बताया है- हनुमान अंश फिल्म के बाद मेरे हाथ कई बड़े प्रोजेक्ट लगे हैं, जिनमें सुपरस्टार शाह रुख खान की बहुचर्चित फिल्म किंग का नाम भी शामिल है। इस

मूवी में आप मुझे एक अहम किरदार निभाते हुए देखेंगे। चंदन के. आनंद के इस बयान के बाद ये साफ हो गया है कि हनुमान अंश की सफलता से उनकी किस्मत चमक गई है और बतौर एक्टर आने वाले समय में वह शाह रुख जैसे बड़े सुपरस्टार्स संग काम करते हुए नजर आएंगे। इससे पहले चंदन सुपरस्टार ऋतिक रोशन और अनिल कपूर संग फाइटर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर चुके हैं। इतना ही नहीं बतौर अभिनेता चंदन आनंद ने एक दशक तक दूरदर्शन टीवी चैनल के जब जब बहार आए और धर्मक्षेत्र जैसे कई टीवी सीरियल्स में काम किया है।



पिंक साड़ी में Pak एक्ट्रेस माहिरा खान ने छिपाया बेबी बंप



पाकिस्तान की मशहूर एक्ट्रेस माहिरा खान इस समय अपनी जिंदगी के बेस्ट फेज में हैं। वो जल्द दूसरी बार मां बनने वाली हैं। माहिरा 41 की उम्र में अपने दूसरे बच्चे को जन्म देंगी। इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए माहिरा ने अपनी प्रेनेसी की न्यूज कंफर्म की थी। बेबी बंप थामे एक्ट्रेस का फोटो काफी वायरल हुआ था। दुनियाभर से लोग उन्हें बधाई दे रहे थे। प्रेनेसी की खबर के बीच माहिरा टॉरंटो भी फिल्म फेस्टिवल अटेंड करनी गई थीं। अब एक्ट्रेस पाकिस्तान के शहर इस्तामाबाद में हुए एक इवेंट का हिस्सा बनीं, जहां वो अपना बेबी बंप छिपाती हुई नजर आईं। इस इवेंट में माहिरा ने एक चमकदार पिंक सैटिन साड़ी पहनी थी, जिसमें वो अपना बेबी बंप कवर करती दिखाई दीं। साड़ी के साथ मैचिंग ब्लाउज पहना था। अपने लुक को और खास बनाने के लिए माहिरा ने डायमंड और रूबी का हैवी चोकर पहना। इसके साथ उन्होंने मैचिंग इयररिंग्स और ब्रेसलेट्स भी पहने थे।

भोजपुरी

मैथिली ठाकुर अब बीजेपी नेता के तौर पर भी जानी जाती हैं। वो गायिकी के अलावा किसी ना किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वो इसलिए सुर्खियों में हैं क्योंकि हाल ही में उन्हें लालबागचा राजा के दर्शन के लिए रॉल्स रॉयस से उतरते हुए देखा गया। इस लज्जरी एसयूवी की कीमत करीब 13 करोड़ रुपये है, जिसके बाद ट्रोल्स एक्टिव हो गए और उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। ऐसे में अब उनके सपोर्ट में कंगना रनौत आई हैं और कहा कि क्या वो लोग अच्छी जिंदगी नहीं जी सकते हैं?

मैथिली ठाकुर की ट्रेलिंग को लेकर कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की है और उनके समर्थन में ट्रोल्स को जवाब दिया। कंगना ने इसमें लिखा, 'कुछ लोगों को जलन होने लगती है जब वो नेताओं को अच्छी जिंदगी जीते हुए देखते हैं। अब हमारे एक युवा विधायक को लज्जरी कार इस्तेमाल करने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। हम भले ही समाज सेवा में लगे हों लेकिन हमारा अपना करियर जिंदगी और लोकप्रियता भी है।' कंगना रनौत ने आगे लिखा, 'हम निस्वार्थ भाव से जनहित में काम करते हैं लेकिन कुछ लोगों को हमारे अच्छी तरह रहने से इतनी तकलीफ क्यों होती है? हम अच्छी जिंदगी जी नहीं सकते क्या? हमें जनता के पैसे में कोई दिलचस्पी नहीं है लेकिन हमसे ये

किया जा रहा है। हम भले ही समाज सेवा में लगे हों लेकिन हमारा अपना करियर जिंदगी और लोकप्रियता भी है।' कंगना रनौत ने आगे लिखा, 'हम निस्वार्थ भाव से जनहित में काम करते हैं लेकिन कुछ लोगों को हमारे अच्छी तरह रहने से इतनी तकलीफ क्यों होती है? हम अच्छी जिंदगी जी नहीं सकते क्या? हमें जनता के पैसे में कोई दिलचस्पी नहीं है लेकिन हमसे ये



मैथिली ठाकुर के सपोर्ट में आई कंगना रनौत

उम्मीद करना कि हम हमेशा गरीब और बेजान जिंदगी जिएं, ये बिल्कुल बेतुका है। कंगना रनौत ये कोई पहली बार नहीं है जब किसी के सपोर्ट में अपनी बात रखी है। इसके पहले वो हाल ही में तृषा कृष्णन के सपोर्ट में भी बात कहते हुए नजर आई थीं। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। दरअसल, तृषा कृष्णन पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर चेन्नई पहुंची थीं, जिसके बाद वो चर्चा में आ गई थीं और विवादों में बनी हुई थीं।

थीं। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। दरअसल, तृषा कृष्णन पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर चेन्नई पहुंची थीं, जिसके बाद वो चर्चा में आ गई थीं और विवादों में बनी हुई थीं।



दो हफ्ते बाद भी नहीं रुका 'मिर्जापुर द मूवी' का तूफान!

गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी 'मिर्जापुर द मूवी' ने वेब सीरीज के बाद बड़े पर्दे पर भी दर्शकों के बीच अपनी पकड़ बनाई है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, रवि किशन और दिव्येंद्र शर्मा जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। 4 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म की कहानी और किरदारों को दर्शकों से शानदार रिसर्पॉन्स मिला है। फिल्म की कमाई भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। सैकूलिक के मुताबिक, रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शनिवार को 'मिर्जापुर द मूवी' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर करीब 4.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इससे एक दिन पहले यानी 15वें दिन फिल्म ने लगभग 2.75 करोड़ रुपये कमाए थे। ऐसे में शनिवार को इसकी कमाई में करीब 1.75 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। वीकेंड पर कलेक्शन में यह तेजी फिल्म के लिए अहम माना जा रहा है। शनिवार के कलेक्शन की तुलना 'हनुमान अंश' से करें तो उस फिल्म ने करीब 9.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस लिहाज से 'मिर्जापुर द मूवी' का कलेक्शन उससे कम रहा, लेकिन फिल्म ने दूसरे हफ्ते के बाद भी कमाई बनाए रखी है।

‘दृश्यम’ से डिलीट किए गए थे ये सीन, ‘गायतोंडे’ ने बताया- मेरा नसीब अच्छा था कि..

साल 2015 में आई अजय देवगन और श्रिया शरण की फिल्म 'दृश्यम' सुपरहिट रही थी। निशिकांत कामत के निर्देशन में बनी इस क्राइम थ्रिलर मूवी में तब्बू से लेकर रजत कपूर तक ने अहम किरदार निभाए हैं। लेकिन फिल्म में एक ऐसा भी एक्टर था, जिसको सबसे ज्यादा डेट मिला। जी हां, हम बात कर रहे हैं फिल्म में सब-इंस्पेक्टर लक्ष्मीकांत गायतोंडे का किरदार निभाने वाले एक्टर कमलेश सावंत की। फिल्म में कमलेश का काम और उनका रोल इतना निगेटिव था, कि सेंकेंड हाफ में हर कोई गुस्से और नफरत से भर जाता है। एक तरफ जहां गायतोंडे अपनी बात को साबित करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है, वहीं दूसरी तरफ अजय देवगन अपने परिवार को बचाने के लिए लगातार शतरंज का खेल खेल रहे हैं।



जब चीजें बिगड़ने लगती हैं तो गायतोंडे अजय देवगन और उनके पूरे परिवार (दोनों छोटी बेटियां और पत्नी) को उठाकर थाने ले आता है। यह ऑफिसर अजय देवगन की पत्नी और उसकी बच्चियों के साथ वॉयलेंस करता है और बदतमीजी-बदसलूकी की हद पार कर जाता है। यह सीन ऐसा था कि हर किसी का खून खौल गया। कमलेश सावंत ने एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान बताया था, "जितना मारा है उतना अमर दिखाते ना, तो वाट लग जाती।" दृश्यम पार्ट-1 की रिलीज के बाद थिएटर में यह मूवी देखने का अपना अनुभव साझा करते हुए कमलेश ने बताया, "एक मिनी थिएटर था, मैंने उ स क।

दे श के कई शहरों में एप्पल स्टोर के बाहर आईफोन को खरीदने लगी भारी भीड़ को देखकर अभिनेता सोनू सूद ने तंज कसा है। नवीनतम आईफोन 18 प्रो सीरीज की बिक्री शुरू होते ही देश भर के युवा कई घंटों से लाइन में लगे अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इस नजारे को देखकर अभिनेता ने लोगों को महंगी उपभोक्ता वस्तुओं पर केवल दिखावे के लिए खर्च करने के बजाय सामाजिक सुधार की दिशा में अपनी ऊर्जा लगाने की नसीहत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक शक्तिशाली संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी गाढ़ी कमाई और मेहनत को समाज की भलाई में निवेश करें, न कि सिर्फ महंगे फोन से झूठी शान दिखाने और कर्जदार बनने में। शुक्रवार को देश के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, नोएडा, मुंबई और बैंगलुरु में एप्पल स्टोर के बाहर सुबह 8 बजे से ही लंबी कतारें देखी गईं, जहां ग्राहक नए आईफोन 18 प्रो सीरीज के मॉडल खरीदने के लिए बेताब खड़े थे।



आईफोन खरीदने लगी युवाओं की भीड़ तो सोनू सूद ने कसा तंज

डेंगू के बाद अस्पताल में भर्ती हुई कोंकणा सेन शर्मा

एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर कर फैंस को अचानक चिंता में डाल दिया। एक्ट्रेस को डेंगू हो गया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। हॉस्पिटल के बेड से तस्वीर शेयर करते हुए कोंकणा ने न सिर्फ अपनी तबीयत का अपडेट दिया, बल्कि लोगों को डेंगू से बचकर रहने की सलाह भी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि अब उनकी तबीयत पहले से बेहतर है।

कोंकणा सेन शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अस्पताल से एक तस्वीर पोस्ट की। इसके साथ उन्होंने अपने फॉलोअर्स को डेंगू को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। एक्ट्रेस ने लिखा, "दोस्तों, डेंगू से सावधान रहें। अस्पताल में थी, लेकिन अब बेहतर हूँ।" एक्ट्रेस ने हाल ही में अमोल के

भारतीय सिनेमा के इतिहास में आध्यात्मिक और पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का अपना एक खास स्थान रहा है। हाल ही में बाबा नीम करोली के जीवन से प्रेरित फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता की एक नई इबारत लिख दी है। महज 2 करोड़ रुपए के मामूली बजट में बनी इस फिल्म ने कमाई के ऐसे रिकॉर्ड बनाए हैं कि पूरा देड जगत हैरान है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच फिल्म के निर्देशक और प्रोड्यूसर्स ने एक ऐसा प्रेरणादायक कदम उठाया है, जिसकी हर तरफ तारीफ हो रही है।



बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के अनुसार, 'हनुमान अंश' ने अपनी रिलीज के 44 दिनों के भीतर दुनियाभर में 329.30 करोड़ का शानदार ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। वहीं, घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 258.13 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन दर्ज किया। 'हनुमान अंश' की बॉक्स ऑफिस सुनामी के बीच निर्देशक डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने अपनी अगली बड़ी फिल्म 'राम बोला' की आधिकारिक घोषणा की है। यह फिल्म महान कवि और संत गोस्वामी तुलसीदास के जीवन और उनकी अमर गाथा पर आधारित होगी। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर फिल्म का पोस्टर शेयर

करते हुए विशाल ने लिखा, "बप्पा के आशीर्वाद, विनम्रता और कृतज्ञता के साथ हम आपके लिए 'राम बोला' लेकर आए हैं।" इस घोषणा के साथ ही मेकर्स ने एक बड़ा और भावुक फैसला लिया है। निर्देशक डॉ. विशाल चतुर्वेदी, प्रोड्यूसर महावीर जैन और अमित उपाध्याय ने संकल्प लिया है कि वे 'राम बोला' से होने वाली अपनी निजी कमाई, मुनाफा और बचत का 100% हिस्सा जनसेवा में दान करेंगे। हालांकि, यह चर्चा का विषय जरूर रहा कि 'हनुमान अंश' से बंपर मुनाफा कमाने के बाद उसकी कमाई से जुड़ा ऐसा कोई प्लान नहीं हुआ था, लेकिन अपनी आपसी पौराणिक फिल्म 'राम बोला' के लिए पूरी टीम ने निस्वार्थ सेवा का मार्ग चुना है।



40वें जन्मदिन पर दोनों ने एक मजेदार इंस्टाग्राम रील शेयर की। वीडियो में कोंकणा और अमोल मजेदार बातचीत करते नजर आए। बैकग्राउंड में इमेल एंजेल का गाना 'बैड टाइम्स' सुनाई दे रहा था। रील पर लिखा था, "जब उसका जन्मदिन हो और वो कुछ भी नहीं करना चाहता!" वहीं कोंकणा ने इसे शेयर करते

हुए कैप्शन में लिखा, "HBD AP!" इस पोस्ट पर फिल्म और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों ने भी अमोल को जन्मदिन की बधाई दी, जिनमें कुशा कपिला, श्रेया धनवंतरी, अमृता सुभाष, अक्षय ओबेरॉय, गुलशन देवैया, डॉली सिंह, आयुष शर्मा और तिलोत्तमा शोम समेत कई नाम शामिल थे।

विदेशी छात्रों की सुरक्षा पर रायपुर प्रशासन सख्त: 30 दिनों में खाली करने होंगे प्राइवेट PG, हॉस्टल में होना होगा शिफ्ट

कलेक्टर और एसपी ने ली कुलपतियों की बैठक; विदेशी विद्यार्थियों का पूरा डेटाबेस साझा करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश।

रायपुर (जनता के गोठ)। रायपुर जिले में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण और स्थानीय कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर में कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने जिले के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के कुलपतियों व प्रतिनिधियों की उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में स्पष्ट किया गया कि विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ-साथ शहर

में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए संस्थानों, पुलिस और स्थानीय नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।

15 से 30 दिनों के भीतर हॉस्टल में स्थानांतरण अनिवार्य - प्रशासन ने बाहर रह रहे विदेशी छात्रों के आवास को लेकर बड़ा फैसला लिया है। वर्तमान में जो विदेशी विद्यार्थी कैम्पस से बाहर निजी मकानों, पीजी (PG) या अन्य स्थानों पर रह रहे हैं, उन्हें अगले 15 से 30 दिनों के भीतर संस्थान के अपने या संबद्ध सुरक्षित छात्रावासों में स्थानांतरित करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए सभी शिक्षण संस्थानों को तत्काल कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन के साथ साझा करना होगा पूरा डेटा - सभी शैक्षणिक संस्थानों को अपने यहाँ अध्ययनरत विदेशी छात्रों का सत्यापित और अद्यतन



(Updated) रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए गए हैं। संस्थानों को छात्रों की कुल संख्या, मूल देश, संबंधित पाठ्यक्रम, प्रवेश की स्थिति, वर्तमान आवास विवरण और संपर्क जानकारी जिला प्रशासन व पुलिस के साथ साझा करनी

होगी। छात्र के आगमन से लेकर अध्ययन अवधि के दौरान होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना समय पर देनी होगी। **सांस्कृतिक ओरिएंटेशन और काउंसिलिंग पर जोर** - विभिन्न देशों से आने वाले छात्रों की सामाजिक-



सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भारत से भिन्न होती है। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालयों को नियमित ओरिएंटेशन और काउंसिलिंग सत्र आयोजित करने को कहा गया है। इसके तहत छात्रों को भारतीय कानून और स्थानीय सामाजिक संवेदनशीलताओं

की जानकारी दी जाएगी। यातायात नियमों, साइबर सुरक्षा और नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। आपातकालीन सहायता और हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराए जाएंगे। **कानून का उल्लंघन करने पर होगी**

निष्पक्ष कार्रवाई - बैठक में अधिकारियों ने साफ किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई विद्यार्थी कानून-विरोधी गतिविधि में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार निष्पक्ष कार्रवाई होगी। हालांकि, प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी छात्र के खिलाफ केवल उसकी राष्ट्रियता के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

नागरिकों और संस्थानों से सहयोगात्मक रवैये की अपील - कलेक्टर और एसपी ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे विदेशी विद्यार्थियों के प्रति सहयोगात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण रखें। किसी भी प्रकार की शिकायत, अनुशासनहीनता या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन, पुलिस या जिला प्रशासन को देने का आग्रह किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हुई राज्यपाल पुरस्कार सम्मानित प्रधान पाठक डॉ. मनीषा त्रिपाठी



रायपुर (जनता के गोठ)। राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत छत्तीसगढ़ द्वारा 19सितंबर को नगर पालिक निगम आडिटोरियम रायगढ़ में आयोजित स्व. श्री हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह एवं शैक्षिक संगोष्ठी 2026 अंतर्गत डॉ. पूर्णानंद मिश्र जी राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षा अंजोर भारत के मार्गदर्शन एवं श्री संजय अग्रवाल जी शिक्षाविद् संस्थापक एन आर स्टील रायगढ़ की अध्यक्षता में, मुख्य अतिथि श्री जगन्नाथ पाणिग्रही जी, इंडिपेंडेंट डायरेक्टर ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप

कंस्ट्रक्शन कंपनी बी बी जे भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार, श्री गुणनिधि सतपथी जी विशिष्ट अतिथि, शिक्षाविद् रायगढ़ द्वारा राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित अनुशासन एवं कार्य के प्रति समर्पण की पर्याय डॉ.मनीषा त्रिपाठी प्रधान पाठक शासकीय रविवंशकर प्राथमिक शाला रायगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण,नवाचार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, सामुदायिक सहभागिता एवं उत्कृष्ट नेतृत्व कर बेहतर शाला संचालन हेतु प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान

समारोह अत्यंत प्रेरणादायी,गरिमामय एवं ज्ञानवर्धक रहा फ़तस्वरूप सभी पुरस्कृत शिक्षकों में एक नई चेतना एवं ऊर्जा का संचार हुआ। संकुल केंद्र चांदमारी रायगढ़ का नाम राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित हुआ। सम्मान की धनी डॉ.मनीषा त्रिपाठी को शिक्षा, साहित्य और समाज सेवा हेतु इससे पूर्व भी शताधिक पुरस्कारों हेतु सम्मानित किया गया है।उनकी इस चमकीली उपलब्धि पर सभी शुभचिंतकों ने उन्हें बधाईयां देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वक्ता मंच द्वारा 50 युवा सम्मानित

रायपुर (जनता के गोठ)। वक्ता मंच एवं जन एकता फाउंडेशन द्वारा युवा अभिव्यक्ति समारोह का आयोजन विमतारा सभागार में संपन्न हुआ छ इस अवसर पर विभिन्न मोर्चों पर उल्लेखनीय कार्य कर रहे राजधानी व आसपास के 50 युवाओं को युवा गौरव सम्मान प्रदान किया गया - समारोह की मुख्य अतिथि उपसंचालक (वित्त) श्रद्धा



सुमन एक्का थी - वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र शर्मा ने अध्यक्षता की - मेकाहारा के अधीक्षक डॉ संतोष सोनकर, डॉ अंशुली कलश एवं डॉ अंशुदेव त्रिवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए - वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी दी है कि इस वर्ष के युवा सम्मान हेतु जल संरक्षण, लोक कला, जैव संरक्षण ,रक्तदान, छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास, खेल,लेखन, पत्रकारिता सहित शिक्षा व चिकित्सा में नवाचारी कार्यों में कार्यरत युवाओं का चयन किया गया था - समारोह का आरंभ प्रांजल सिंह राजपूत के भरथरी एवं हुआ - इसके बाद प्रणम तिवारी ने कथक नृत्य, डॉ अनुराग सिंग विश्वकर्मा ने जैव एवं वन संरक्षण, ऐश्वर्या पाठक ने खेल, डॉ वैभव बेमेतरिहा ने जल संरक्षण , डॉ अर्चना तुपट ने साहित्य तथा अमित कुमार चौहान ने मीडिया

अध्ययनवेत्ता के क्षेत्र में जारी अपने कार्यों, उपलब्धियों व चुनौतियों की जानकारी सदन को प्रदान की - समारोह के दौरान सारंगढ़ के युवा कवि विजय कोसले के काव्य संग्रह आईना का विमोचन किया गया। विजय कोसले द्वारा अपने काव्य संग्रह की कुछ कविताओं का पाठ भी किया गया - समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि युवा देश की ताकत होते हैं इसलिए युवाओं का सम्मान देश की ताकत का सम्मान है - छत्तीसगढ़ युवाओं का प्रदेश है -इस प्रदेश की पूंजी धान के भंडार के साथ युवाओं का ईमानदार होने के साथ ही सबके लिए अपने हृदय में आदर का भाव संजोकर रखता है - आज राजधानी व आसपास कार्यरत ऐसे असाधारण युवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया है, जिन्होंने अपने पसीने से उत्कृष्टता व सफलता

की नई इबारत लिखी है - इस समारोह के विशेष आकर्षण के रूप में चयनित 50 युवाओं को युवा गौरव सम्मान प्रदान किया गया - समारोह का प्रभावी संचालन वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते एवम् संयोजन वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू द्वारा किया गया - इस अवसर पर विवेक बेहरा,मनीष अवस्थी, राजाराम रसिक, ज्योति शुक्ला, कुमुद लाड, प्रमोद पटेल, सी एल दुबे, देव मानिकपुरी, हरिशंकर सोनी, फ़तेह साहू, हेमलाल पटेल, खेमराज साहू, पूर्णेश डडसेना सहित टीम वक्ता मंच के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे - प्रदेश भर में नशे की रोकथाम हेतु स्वैच्छिक प्रयासों को तीव्र करने के संकल्प के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ - आज सम्मानित होनेवालों में प्रणम तिवारी (कथक), डॉ दीप श्री अग्रवाल (दंत चिकित्सा), योगेश मेघानी (व्यवसाय), अखिल कलश (नवाचार), राधिका

पटेल (कुश्ती), डॉ अनुराग विश्वकर्मा (जैव विविधता संरक्षण), मनोज देवाना (फ़ोटो जर्नलिज्म), रेणु वर्मा (नर्सिंग), जाकिर हुसैन (पत्रकारिता), मोहित सिंह सेंगर (पत्रकारिता),दिनेश यदु (पर्यावरण पर जमीनी लेखन), ऐश्वर्या पाठक (खेल), महेन्द्र सिंह ध- व (रक्तदान), गौतम चौबे (लोक कला), अमित चौहान (मीडिया अध्ययन वेत्ता), डॉ वैभव बेमेतरिहा (जल संरक्षण), देव हीरा लहरी (छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य), खेमराज साहू (एडवेंचर ट्रिज्म), नेहा पटनायक (भरत नाट्यम), श- ति संधी जैन (शास्त्रीय संगीत), यामिनी धीवर (राष्ट्रीय खिलाड़ी), खिलेश साहू (महानदी बचाओ आंदोलन), खेम यादव (लोक कला), ऋषभ देव साहू (युवा वाणी), गौरव अग्रवाल (समाज सेवा), अंकुर शुक्ला (गोंड आर्ट), प्रांजल सिंह राजपूत (भरथरी), यतीश श्रीवास्तव (लेखन), आरव शुक्ला (काव्य पाठ), डॉ अजय त्रिपाठी (छात्र आंदोलन), रमन हलवाई (पत्रकारिता), ऋतु राज साहू (छत्तीसगढ़ी भाषा को शासकीय स्तर पर स्थापित करने हेतु), रिंकू अग्रवाल (रक्तदान), हेमलाल पटेल (लोक कला), प्रवीण पाठक (पत्रकारिता) सहित 50 व्यक्तित्व शामिल है।

डीजीपी अरुण देव गौतम ने ली तीन जिलों की समीक्षा बैठक, नक्सल पुनर्वास और पुलिसिंग को लेकर दिए निर्देश



जगदलपुर (जनता के गोठ)। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने सोमवार को जगदलपुर स्थित कोआर्डिनेशन मीटिंग हॉल में बस्तर संभाग के तीन जिलों के पुलिस अधीक्षकों और केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीजीपी ने बेसिक पुलिसिंग को प्रभावी बनाने के साथ शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने पात्र पुनर्वासितों को नीति के प्रावधानों के अनुसार अधिकतम लाभ दिलाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर भी विशेष जोर दिया गया। डीजीपी ने आधुनिक तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के साथ तकनीक आधारित

पुलिसिंग को मजबूत करने तथा पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच बेहतर आपसी समन्वय स्थापित करने के साथ अंदरूनी क्षेत्रों और गांवों में नियमित भ्रमण करने को कहा। अधिकारियों को क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन करने और स्थानीय लोगों की समस्याओं को समझने के निर्देश भी दिए गए। शासन-प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर जनता का विश्वास जीतना पुलिसिंग की महत्वपूर्ण प्राथमिकता बताया गया।

बैठक में एडीजी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद सिन्हा, आईजी बस्तर बी.एन. मोगा, सीआरपीएफ आईजी कबीब के, बीएसएफआईजी संजय पंत, केंद्रीय सुरक्षा बलों के डीआईजी, बस्तर, कोडगांव और सुकमा के पुलिस अधीक्षक सहित अन्य राजपत्रित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ की पहली 'मिस दिव्यांग सुंदरी 2026' बनीं निष्ठा गनवीर

रायपुर के अंबुजा मॉल में सौ से ज्यादा रजिस्ट्रेशन के बाद 30 प्रतिभागियों ने फाइनल में दिखाई प्रतिभा

रायपुर (जनता के गोठ)। किसी प्रतियोगिता में एक नाम विजेता बनता है, लेकिन कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, जिनकी जीत किसी एक ताज या खिताब से बड़ी होती है। अंबुजा सिटी सेंटर मॉल में आयोजित 'मिस दिव्यांग सुंदरी छत्तीसगढ़ 2026' ऐसा ही मंच रहा, जहां प्रदेश की दिव्यांग बेटियों ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान दर्ज कराई। प्रतियोगिता के पहले संस्करण में आकांक्षा स्कूल की निष्ठा गनवीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ की पहली 'मिस दिव्यांग सुंदरी 2026' का खिताब हासिल किया।



अनुज शर्मा, मोना सेन, साध्वी सौम्या ने बढ़ाया हौसला



के साथ सामने आना है। उन्होंने यह संदेश दिया कि अवसर मिले तो पहचान किसी परिचय की मोहताज नहीं रहती। हौसला रास्ता बनाता है और प्रतिभा उस रास्ते पर अपनी जगह खुद बना लेती है।

निष्ठा की उपलब्धि ने आयोजन को दिया विशेष अर्थ

निष्ठा गनवीर डाउन सिंड्रोम के साथ जीवन जी रही हैं। इसके बावजूद या यूँ कहें कि अपनी परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने मंच पर जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की, वह उनके चयन की सबसे महत्वपूर्ण वजहों में रहा। उनका ताज केवल प्रतियोगिता में मिली सफलता का प्रतीक नहीं, बल्कि

उस सोच को भी सामने लाता है जिसमें व्यक्ति को उसकी शारीरिक स्थिति से आगे उसकी प्रतिभा और क्षमता के आधार पर देखा जाए। सानिया सेन फ़र्स्ट रनर अप और सत्या श्रीवास्तव सेकंड रनर अप रहें। वी. मोनिका राव को 'मिस ब्यूटीफुल स्माइल' और मानसी पांडे को 'मिस कॉन्फिडेंस' का खिताब दिया गया। प्रतियोगिता

में शामिल अन्य प्रतिभागियों के प्रयासों और उत्साह को भी सम्मान मिला। आयोजक युगल गौतम और दिव्या यादव ने सभी प्रतिभागियों को 'मिस इन्स्पिरेशन अवार्ड' से सम्मानित किया।

